PLANET NEWS INDIA — हर खबर सच के साथ

Follow us on:/

निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)

01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■ अलीगढ़, गुरुवार ,25 जून, 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

आपातकाल की 51वीं बरसी: नाखून खींचे गए, 12 साल के बच्चों को जेल में डाला गया

लोकतंत्र के सबसे काले अध्याय की दर्दनाक दास्तान

आगरा। 25 जून 1975 की वह रात भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक ऐसे अध्याय के रूप में दर्ज है, जिसे आज भी "काला दौर" कहा जाता है। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश में आपातकाल लागू किए जाने के बाद अगले 21 महीनों तक नागरिक स्वतंत्रताओं पर अंकुश लगा दिया गया। हजारों राजनीतिक कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों और सरकार के विरोधियों को गिरफ्तार कर जेलों में डाल दिया गया। प्रेस पर सेंसरशिप लगा दी गई और विरोध की हर आवाज को दबाने की कोशिश की गई। आज, आपातकाल की बरसी पर उस दौर को झेल चुके लोकतंत्र सेनानियों की यादें एक बार फिर ताजा हो गई हैं। उनकी जुबानी सामने आई कहानियां बताती हैं कि उस समय केवल बड़े नेताओं को ही नहीं, बल्कि बच्चों, बुजुर्गों और आम नागरिकों को भी भारी यातनाएं झेलनी पड़ी थीं। शाहगंज निवासी लोकतंत्र सेनानी धनराज कर्मचंदानी बताते हैं कि आपातकाल लागू होते ही उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। उस समय उनकी पत्नी गर्भवती थीं और परिवार में कोई कमाने वाला नहीं था। उन्होंने बताया कि जेलों में बंद लोकतंत्र सेनानियों के साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता था। कई बार विरोध करने पर बेरहमी से पिटाई की जाती थी और मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना दी जाती थी। उनके अनुसार, कई लोगों के नाखून तक खींचे गए और उन्हें तरह-तरह की यातनाएं दी गईं। आपातकाल के दौरान बच्चों को भी नहीं बख्शा गया। लोकतंत्र सेनानी विजय गोयल बताते हैं कि उनके छोटे भाई संजय गोयल, जो उस समय सेंट जॉन्स इंटर कॉलेज में सातवीं कक्षा के छात्र थे, को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। महज 12 साल की उम्र में उन्होंने करीब डेढ़ महीने जेल में बिताए। इतना ही नहीं, उन्होंने अपनी परीक्षाएं भी जेल में रहते हुए दी थीं। उन्हें उस दौर के सबसे कम उम्र के आंदोलनकारियों में गिना जाता है। वर्तमान विधायक और लोकतंत्र सेनानी पुरुषोत्तम खंडेलवाल ने भी उस दौर की यादें साझा करते हुए बताया कि सरकार विरोधी साहित्य या लोक संघर्ष पत्रक बांटना भी अपराध माना जाता था। उन्होंने बताया कि ताजमहल क्षेत्र और रामबारात के दौरान पत्रक बांटने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। पुलिस की कार्रवाई से लोगों में भय का माहौल था और लोकतांत्रिक अधिकार लगभग समाप्त हो चुके थे। आपातकाल के दौरान मीडिया भी सरकारी नियंत्रण में आ गया था। समाचार पत्रों को खबर प्रकाशित करने से पहले सरकारी सेंसर की मंजूरी लेनी पड़ती थी। कई अखबारों ने विरोध स्वरूप अपने संपादकीय कॉलम खाली छोड़ दिए थे। यह भारतीय पत्रकारिता के इतिहास का सबसे कठिन दौर माना जाता है। करीब 21 महीने तक चले इस आपातकाल का अंत मार्च 1977 में हुआ, जब आम चुनाव कराए गए।

25 जून, 1975...आपातकाल की रूह कंपाने वाली यादें

चुनाव परिणामों में जनता ने तत्कालीन सरकार को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया। यह भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत मानी गई, जिसने साबित किया कि लोकतंत्र में अंतिम फैसला जनता का ही होता है। आज, आपातकाल को 51 वर्ष पूरे हो चुके हैं, लेकिन उस दौर की यातनाएं झेलने वाले लोगों की यादों में वह दर्द आज भी जिंदा है। लोकतंत्र सेनानियों का कहना है कि यह केवल इतिहास का एक अध्याय नहीं, बल्कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए दी गई उन कुर्बानियों की कहानी है, जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता।

लखनऊ अग्निकांड के बाद अलीगढ़ में बड़ा एक्शन

24 संस्थानों पर चला प्रशासन का बुलडोजर, 12 बेसमेंट और 12 कोचिंग-लाइब्रेरी सील

अलीगढ़। लखनऊ के अलीगंज में हुए भीषण अग्निकांड के बाद प्रदेशभर में सुरक्षा मानकों की जांच तेज हो गई है। इसी क्रम में अलीगढ़ प्रशासन ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए नियमों का उल्लंघन कर संचालित किए जा रहे 24 संस्थानों पर शिकंजा कस दिया। एडीए और शिक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने 12 अवैध व्यावसायिक बेसमेंट और 12 कोचिंग सेंटरों व लाइब्रेरियों को सील कर दिया। इस कार्रवाई के बाद शहर के कोचिंग संचालकों और व्यवसायियों में हड़कंप मच गया। एडीए की टीम ने पुलिस बल के साथ विभिन्न क्षेत्रों में छापेमारी कर उन प्रतिष्ठानों को चिन्हित किया, जो बिना स्वीकृत मानचित्र, बिना फायर एनओसी और ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधियां संचालित कर रहे थे। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर कई प्रतिष्ठानों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। लेखराज नगर स्थित एक मेकओवर स्टूडियो के बेसमेंट में बड़ी संख्या में छात्राएं प्रशिक्षण लेती मिलीं। सुरक्षा मानकों की कमी को देखते हुए अधिकारियों ने पहले सभी छात्राओं को सुरक्षित बाहर निकाला और उसके बाद बेसमेंट को सील कर दिया। इसके अलावा कई होटल, नर्सिंग होम और व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी कार्रवाई की जद में आए। वहीं शिक्षा विभाग की जांच टीम ने कोचिंग सेंटरों और लाइब्रेरियों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान कई संस्थानों में पंजीकरण, फायर एनओसी, आपातकालीन निकास और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं की कमी पाई गई। मानकों का पालन न करने वाले संस्थानों को तत्काल सील कर दिया गया। जांच की सूचना मिलते ही कई कोचिंग संचालक अपने संस्थानों पर ताला लगाकर मौके से फरार हो गए। वहीं कुछ संचालक दस्तावेज लेकर डीआईओएस कार्यालय पहुंचे और कमियां दूर करने के लिए समय देने की मांग करने लगे। अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि छात्रों और आम लोगों की सुरक्षा के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। बिना सुरक्षा मानकों और आवश्यक अनुमति के संचालित होने वाले संस्थानों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

महेश नवमी महोत्सव में गूंजा शिक्षा और महिला सशक्तीकरण का संदेश

अलीगढ़ में आयोजित महेश नवमी महोत्सव आस्था, संस्कृति और सामाजिक जागरूकता का संगम बनकर सामने आया। जिला माहेश्वरी महासभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भगवान शिव का सामूहिक रुद्राभिषेक किया गया, वहीं समाज के विकास, शिक्षा और महिला सशक्तीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा हुई। श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना करते हुए धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। मथुरा रोड स्थित एक मैरिज होम में आयोजित समारोह में भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों और भगवान शिव-पार्वती की आकर्षक झांकियों ने सभी का मन मोह लिया। पूरे परिसर में "हर-हर महादेव" के जयघोष गूंजते रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के उपाध्यक्ष विनीत केला ने समाज के लिए एक बड़ा लक्ष्य घोषित करते हुए कहा कि वर्ष 2030 तक 100 युवाओं को आईएएस बनाने का संकल्प लिया गया है। इसके लिए करवा ट्रस्ट योग्य विद्यार्थियों को मार्गदर्शन और संसाधन उपलब्ध कराएगा। महिला संगठन की प्रदेश अध्यक्ष मनीषा राठी ने महिला सशक्तीकरण पर जोर देते हुए बताया कि संगठन हर महीने एक जरूरतमंद महिला को आत्मनिर्भर बनाने का अभियान चला रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत बनाना समाज की प्राथमिकता होनी चाहिए। कार्यक्रम में समाज के अनेक गणमान्य लोगों ने भाग लिया और एकजुटता का संदेश दिया। जिला माहेश्वरी महासभा के अध्यक्ष रामकुमार सादानी ने कहा कि समाज की एकता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है और संगठित प्रयासों से ही उज्ज्वल भविष्य का निर्माण संभव है। महेश नवमी के अवसर पर सराय मानसिंह स्थित श्री महेश मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही रुद्राभिषेक, पूजा-अर्चना और धार्मिक आयोजनों का सिलसिला चलता रहा, जिसमें बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

30 जून तक अलीगढ़ में दस्तक दे सकता है मानसून

अलीगढ़वासियों के लिए राहत भरी खबर है। मौसम विभाग और विशेषज्ञों के अनुसार जिले में 30 जून तक मानसून पहुंच सकता है। यदि मौसम की परिस्थितियां अनुकूल बनी रहीं तो आने वाले दिनों में भीषण गर्मी और उमस से राहत मिलने की उम्मीद है। पिछले कई दिनों से बादलों की आवाजाही बढ़ी है, लेकिन बारिश नहीं होने के कारण लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को अलीगढ़ का अधिकतम तापमान 37.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिनभर बादल छाए रहने के बावजूद बारिश नहीं हुई, जिससे वातावरण में नमी बढ़ी और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। विशेषज्ञों का कहना है कि मानसूनी हवाएं तेजी से उत्तर भारत की ओर बढ़ रही हैं। अलीगढ़ समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में मानसून की एंट्री के लिए हालात लगातार अनुकूल होते जा रहे हैं। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि अगले कुछ दिनों में बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। एएमयू के भूगोल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अहमद मुज्तबा सिद्दीकी के अनुसार, यदि मानसूनी हवाओं की दिशा और गति इसी तरह बनी रही तो 30 जून तक अलीगढ़ में मानसून पहुंच जाएगा। इसके बाद अच्छी बारिश होने और तापमान में गिरावट आने की संभावना है। मानसून की दस्तक के साथ किसानों को भी बड़ी राहत मिलेगी। धान और अन्य खरीफ फसलों की बुवाई के लिए बारिश बेहद जरूरी मानी जाती है। वहीं शहरवासियों को भी लगातार पड़ रही गर्मी और उमस से निजात मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि मानसून आने तक तेज धूप और उमस से बचाव के लिए पर्याप्त पानी पीते रहें और जरूरी होने पर ही घरों से बाहर निकलें। आने वाले कुछ दिन अलीगढ़ के मौसम में बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

लखनऊ अग्निकांड के मृतकों को कैंडल मार्च निकालकर दी श्रद्धांजलि

लखनऊ के अलीगंज स्थित कोचिंग सेंटर में हुए भीषण अग्निकांड में जान गंवाने वाले छात्र-छात्राओं को श्रद्धांजलि देने के लिए अलीगढ़ में बुधवार को कैंडल मार्च निकाला गया। पूर्व विधायक विवेक बंसल के नेतृत्व में आयोजित इस मार्च में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने भाग लेकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धासुमन अर्पित किए। कैंडल मार्च मैरिस रोड से शुरू होकर सेंटर प्वाइंट तक निकाला गया। प्रतिभागियों ने हाथों में मोमबत्तियां लेकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी और हादसे में घायल छात्रों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। पूरे मार्ग में शोक और संवेदना का माहौल देखने को मिला। इस दौरान वक्ताओं ने लखनऊ अग्निकांड को बेहद दुखद और दर्दनाक घटना बताते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं प्रशासनिक लापरवाही और सुरक्षा मानकों की अनदेखी का परिणाम हैं। उन्होंने भविष्य में इस तरह के हादसों को रोकने के लिए सभी शिक्षण संस्थानों में सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने की मांग की। पूर्व विधायक विवेक बंसल ने कहा कि मृतक छात्रों के परिवारों का दुख शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उन्होंने सरकार और प्रशासन से सभी कोचिंग सेंटरों, स्कूलों और व्यावसायिक संस्थानों में फायर सेफ्टी व्यवस्था की प्रभावी जांच कराने की मांग की।

कैंडल मार्च में कांग्रेस जिलाध्यक्ष सोमवीर सिंह, महानगर अध्यक्ष नवेद खान, समता सिंह, हिना मिर्जा, प्रदीप के. गुप्त, गंगाराम सिंह, राकेश सक्सेना, दलजीत सिंह समेत कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत छात्रों को श्रद्धांजलि अर्पित की और हादसे की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई।

निर्जला एकादशी 2026: आज रखा जा रहा साल का सबसे कठिन व्रत

24 एकादशियों के बराबर मिलेगा पुण्य

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की पावन निर्जला एकादशी आज पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई जा रही है। सनातन धर्म में इसे सबसे कठिन और सबसे फलदायी एकादशी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन विधि-विधान से व्रत और भगवान विष्णु की पूजा करने से वर्ष भर की 24 एकादशियों के बराबर पुण्य प्राप्त होता है। महिलाएं परिवार की सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना के साथ निर्जल रहकर भगवान श्रीहरि की आराधना कर रही हैं। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार एकादशी तिथि 24 जून की शाम 6:12 बजे शुरू होकर 25 जून की रात 8:09 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के आधार पर 25 जून को निर्जला एकादशी का व्रत रखा जा रहा है। इस व्रत में सूर्योदय से लेकर अगले दिन पारण तक जल की एक बूंद भी ग्रहण नहीं की जाती, इसलिए इसे महाव्रत कहा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि महाभारत काल में भीमसेन ने महर्षि वेदव्यास के कहने पर यही व्रत रखा था। तभी से इसे भीम एकादशी और निर्जला एकादशी के नाम से जाना जाता है। भगवान विष्णु की पूजा, मंत्र जाप, दान-पुण्य और भक्ति इस दिन विशेष फलदायी माने जाते हैं। निर्जला एकादशी पर जल से भरा मिट्टी का घड़ा, सत्तू, चने की दाल, मौसमी फल, हाथ का पंखा और छाता दान करना अत्यंत शुभ माना गया है। भीषण गर्मी के मौसम में जरूरतमंदों को शीतल जल और राहत पहुंचाने वाली वस्तुओं का दान करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। व्रत के दौरान भगवान विष्णु को तुलसी दल, पीले पुष्प, चंदन, अक्षत और पंचामृत अर्पित किए जाते हैं। श्रद्धालु "ॐ नमो भगवते वासुदेवाय" मंत्र का जाप कर श्रीहरि का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। पूजा के समय घी का दीपक जलाकर विष्णु सहस्रनाम और विष्णु स्तुति का पाठ भी किया जाता है। धर्माचार्यों ने सलाह दी है कि गंभीर बीमारी, डायबिटीज या अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोग अपनी क्षमता के अनुसार ही व्रत करें। साथ ही इस दिन क्रोध, विवाद, तामसिक भोजन, आलस्य और किसी के अपमान से बचना चाहिए। श्रद्धा, संयम और सेवा भाव के साथ किया गया निर्जला एकादशी व्रत जीवन में सुख, शांति और समृद्धि प्रदान करता है।

निर्जला एकादशी को आत्मसंयम, भक्ति और दान का महापर्व माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन श्रद्धापूर्वक व्रत और भगवान विष्णु की पूजा करने से सुख-समृद्धि, पुण्य और मनोकामनाओं की प्राप्ति होती है।

आपातकाल: नाखून खींचे, जेल में डाल दिए थे

बच्चे...इमरजेंसी के वो काले किस्से, जिन्होंने हिला दिया था पूरा देश

25 जून 1975 को लागू आपातकाल के दौरान हजारों लोगों को जेलों में बंद किया गया, विरोध की आवाजों को दबाया गया और प्रेस पर सेंसरशिप लागू की गई। उस दौर की यातनाएं और दमन की घटनाएं आज भी लोकतंत्र सेनानियों को सिहरा देती हैं और भारतीय लोकतंत्र के सबसे विवादित अध्याय की याद दिलाती हैं। 25 जून, 1975 की रात जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल की घोषणा की तो सरकार विरोधी हर शख्स जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया गया। 21 महीने तक देश में आपातकाल लगा। उस दौर में जेल में बिताई गई हर रात लोकतंत्र रक्षक सेनानियों को अब तक याद है। पुलिस की रूह कंपाने वाली पिटाई और जुल्म के नए-नए तरीकों को झेलने वाले सेनानी अब भी उन्हें याद करके सिहर उठते हैं।

25 जून, 1975...आपातकाल की रूह कंपाने वाली यादें

शहर में 150 से ज्यादा लोकतंत्र सेनानी और हजारों लोग ऐसे हैं, जिन्होंने 21 महीने के आपातकाल में यातनाएं सहीं। 12 साल के बच्चे से लेकर 80 साल के बुजुर्ग तक और उनके परिवारों ने आपातकाल में दिए गए जुल्मों को सहन किया। शाहगंज निवासी धनराज कर्मचंदानी उनमें से एक हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े धनराज कर्मचंदानी बताते हैं कि आपातकाल की घोषणा होते ही उन्हें जेल में बंद कर दिया गया। तब उनकी पत्नी गर्भवती थीं और परिवार में कोई कमाने वाला नहीं था। आपातकाल में जेल में उन पर जुल्म हुए तो सेनानियों ने उनके साथ भूख हड़ताल कर दी। पुलिस की पिटाई के साथ नाखून खींचे जाते थे।

तस्वीरों में वेनेजुएला में तबाही का मंजर:

120+ साल की सबसे बड़ी आपदा, US समेत कई देशों ने बढ़ाए मदद के हाथ

वेनेजुएला में बुधवार शाम आए दो शक्तिशाली भूकंप के झटकों ने भारी तबाही मचाई है। यह पिछले 120 से अधिक वर्षों में आई सबसे बड़ी आपदा है। पहला भूकंप 7.2 और दूसरा 7.5 तीव्रता का था। इनका केंद्र राजधानी काराकास से 168 किलोमीटर दूर मोरोन शहर के पास था। इस आपदा में काराकास के कई इलाके में इमारतें ढह गईं और सड़कों पर धूल के गुबार छा गए। गृह मंत्री डियोसदादो काबेलो ने बताया कि कई लोग घायल हुए हैं। प्रशासन ने प्यूर्टो रिको और वर्जिन द्वीप समूह के लिए सुनामी का अलर्ट भी जारी किया है। वेनेजुएला में हुई इस तबाही के बाद अमेरिका समेत कई देशों ने मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाए हैं।

वेनेजुएला में आई भीषण तबाही के बाद प्रभावित इलाकों में बड़े पैमाने पर राहत और बचाव कार्य चलाया जा रहा है। आपदा के बाद की भयावह स्थिति को बयां करती कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जो तबाही के मंजर को साफ दिखा रही हैं। प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव दल के सदस्य मलबे के विशाल ढेर के बीच मुस्तैदी से काम कर रहे हैं। मलबे के नीचे कई लोगों के दबे होने की आशंका है, जिन्हें सुरक्षित बाहर निकालने के लिए सेना और पुलिस के जवान संयुक्त रूप से रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहे हैं।

वेनेजुएला में भूकंप से तबाही का मंजर

Delhi: निर्यातकों से धोखाधड़ी करने वाले फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़,

18 लोग गिरफ्तार; 20 फोन, 35 सिम बरामद

दिल्ली की साइबर सेल पुलिस ने फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने 18 लोगों को गिरफ्तार किया है। छापेमारी में 20 मोबाइल फोन, 35 सिम कार्ड और 6 लैपटॉप बरामद हुए हैं। 9 सीपीयू और एक डेबिट कार्ड भी जब्त किया गया है।दिल्ली की साइबर सेल पुलिस ने निर्यातकों से धोखाधड़ी करने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने एक फर्जी कॉल सेंटर का पता लगाकर 18 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह विदेशी खरीदार और निर्यात प्रमाण पत्र दिलाने के नाम पर ठगी करता था। नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर मिली शिकायतों के विश्लेषण से यह मामला सामने आया। INDIA2EXPORTS.COM वेबसाइट के जरिये फर्जी सेवाएं दी जा रही थीं। शिकायतकर्ताओं को विदेशी खरीदारों से ऑर्डर दिलाने का वादा किया जाता था। उनसे पहले 5,000 रुपये पंजीकरण शुल्क लिया जाता था। फिर 19,780 रुपये सेवा पैकेज के लिए मांगे जाते थे। ग्लोबल जीएपी और अन्य प्रमाण पत्रों के लिए 41,300 रुपये अतिरिक्त लिए जाते थे। आरोपी अंतरराष्ट्रीय व्हाट्सएप नंबरों का इस्तेमाल कर विदेशी खरीदार बनते थे। वे बनावटी बातचीत दिखाकर पीड़ितों का भरोसा जीतते थे। भुगतान मिलने के बाद वे संपर्क तोड़ देते थे। अब तक कुल 19 शिकायतों में 10,57,780 रुपये की धोखाधड़ी हुई है।

गिरफ्तारी और बरामदगी

नई दिल्ली जिले के साइबर पुलिस स्टेशन की टीम ने छापा मारा। इस दौरान एक फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश हुआ। पुलिस ने कॉल सेंटर के मालिक प्रदीप कुमार को गिरफ्तार किया है। सम्मी कुमार गिरी और 16 टेलीकॉलर भी पकड़े गए हैं। इनमें 14 महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं।

जांच और पुलिस की सलाह

छापेमारी में 20 मोबाइल फोन, 35 सिम कार्ड और 6 लैपटॉप बरामद हुए हैं। 9 सीपीयू और एक डेबिट कार्ड भी जब्त किया गया है। बरामद डिजिटल सबूतों का विश्लेषण किया जा रहा है ताकि अन्य पीड़ितों की पहचान हो सके। नई दिल्ली जिला पुलिस ने निर्यातकों से सतर्क रहने की सलाह दी है। ऑनलाइन प्रदाताओं की साख जांचने के बाद ही भुगतान करें। साइबर धोखाधड़ी होने पर हेल्पलाइन 1930 पर रिपोर्ट करें।

UP: 'काफिर का खून तुम्हारे लिए हलाल',

आतंकियों ने पोस्ट की फोटो, ज्ञानवापी का सर्वे आदेश देने वाले जज को धमकी

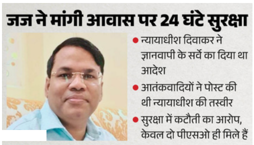

मुजफ्फरनगर की फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या तीन के पीठासीन अधिकारी न्यायाधीश रवि कुमार दिवाकर ने अपने आवास पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाए जाने की मांग की है। उन्होंने एसएसपी संजय कुमार वर्मा को एक पत्र लिखकर अपनी सुरक्षा चिंताओं से अवगत कराया है। मुजफ्फरनगर की फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या तीन के पीठासीन अधिकारी न्यायाधीश रवि कुमार दिवाकर ने अपने आवास पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाए जाने की मांग की है। उन्होंने एसएसपी संजय कुमार वर्मा को एक पत्र लिखकर अपनी सुरक्षा चिंताओं से अवगत कराया है। न्यायाधीश दिवाकर ने चार साल पहले वाराणसी में अपनी तैनाती के दौरान शृंगार गौरी मामले की सुनवाई और ज्ञानवापी परिसर के वीडियोग्राफी सर्वे के आदेश के बाद आतंकवादियों से मिली धमकियों का उल्लेख किया है।

संवेदनशील परिस्थितियों पर चिंता

न्यायाधीश दिवाकर, जिन्होंने लगभग 80 दिनों में नौ लोगों को फांसी की सजा सुनाई है, ने चिंता व्यक्त की है कि वर्तमान परिस्थितियां उनकी बरेली में पिछली तैनाती से कहीं अधिक संवेदनशील हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे में सुरक्षा में कटौती चिंता का विषय है। न्यायाधीश ने अपने पत्र में बताया कि उन्हें हाईकोर्ट के आदेश के बाद वर्ष 2022 से सुरक्षा प्राप्त है।

सुरक्षा में कटौती का आरोप

उन्होंने बताया कि बरेली में तैनाती के दौरान उन्हें दो निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) और सात दिनों तक, दो शिफ्टों में, आवासीय गारद सुरक्षा प्रदान की गई थी। इसके विपरीत, मुजफ्फरनगर में 29 नवंबर, 2025 को कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्हें केवल दो पीएसओ ही मिले हैं, जो उनकी सुरक्षा के लिए अपर्याप्त हैं।

वाराणसी की तैनाती का अनुभव

न्यायाधीश दिवाकर ने वाराणसी में अपनी पिछली तैनाती का अनुभव भी साझा किया। जून 2022 में, उन्हें "इस्लामिक आगाज मूवमेंट" नामक संगठन से एक धमकी भरा पत्र मिला था। इस पत्र में उन्हें "काफिर बुतपरस्त हिंदू न्यायाधीश" कहकर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गई थी। न्यायाधीश ने बताया कि उन्हें मिली दोनों धमकियों की भाषा एक जैसी है, जो उनकी चिंता को और बढ़ाती है।

आतंकवादियों ने पोस्ट की थी न्यायाधीश की तस्वीर

एसएसपी को भेजे पत्र में उन्होंने दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और उत्तर प्रदेश एटीएस की जांच का हवाला दिया है। जांच में सामने आया कि आईएसआईएस से जुड़े दो आतंकवादियों को 25 अक्टूबर 2025 को गिरफ्तार किया गया था। इन आतंकियों ने दिल्ली के बाजारों और उत्तर प्रदेश के धार्मिक स्थलों पर आत्मघाती हमले की साजिश रची थी। अयोध्या का राम मंदिर भी इनमें शामिल था। आतंकवादी अदनान खान ने इंस्टाग्राम पर न्यायाधीश दिवाकर की तस्वीर पोस्ट करते हुए तस्वीर पर लाल रंग से काफिर लिखा और जान से मारने की धमकी दी थी।

काफिर का खून तुम्हारे लिए हलाल है'

अदनान खां ने इंस्टाग्राम अकाउंट के माध्यम से ज्ञानवापी मस्जिद के मुकदमे की सुनवाई के दौरान न्यायाधीश को यह कहते हुए धमकी दी थी कि काफिर का खून तुम्हारे लिए हलाल है, जो तुम्हारे दीन के खिलाफ लड़ रहे हैं । न्यायाधीश रवि कुमार दिवाकर ने पिछले 80 दिन में फांसी की सजा सुनाने का रिकॉर्ड बनाया है। तीन मामलों में अब तक नौ लोगों को फांसी की सजा सुना चुके हैं।

'मैं नीचे झुक जाऊं तो समझ लेना...':

सिया ने केतन को धक्का मारने के लिए रखा था 'कोडवर्ड', जांच में कई खुलासे

पुणे पुलिस ने केतन हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने का दावा किया है। अधिकारियों ने बताया कि सीसीटीवी से मिले सुराग सबसे अहम थे। जिसके आधार पर पुलिस ने हत्याकांड को सुलझा लिया है। इस मामले में पुलिस ने कई खुलासे किए हैं।कारोबारी केतन अग्रवाल की हत्या को लेकर हर दिन नए-नए खुलासे हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर दिख रही एक परफेक्ट लव स्टोरी के पीछे रची गई गहरी साजिश से हर कोई हैरान है। इस मामले की मास्टर माइंड सिया गोयल ने इस वारदात को इस पुख्ता प्लान के रचा था कि पहली नजर में हर कोई इसे हादसा समझ बैठा। लेकिन केतन की मां को अपने बेटे की मौत पर विश्वास नहीं हुआ। फिर यहीं से केतन की मौत के पीछे की साजिशें परत-दर-परत खुलने लगी। पुणे में इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड जैसी वारदात को अंजाम देने वाली सिया गोयल और चेतन चौधरी से पुलिस की पूछताछ में हत्या के राज का खुलासा किया है। केतन अग्रवाल हत्याकांड को लेकर सिया ने पुलिस को बताया कि उसके और चेतन के बीच तय हुआ था कि जब मैं नीचे झुक जाऊं तो समझ लेना कि केतन को धक्का देना है। डीएसपी गजानन टोम्पे के अनुसार दोनों ने 18 जून को इस अपराध को अंजाम देने से पहले इसकी पूरी योजना बनाई थी। जांच करने वालों ने बताया कि चेतन चौधरी ने केतन और सिया का पीछा किया और विंचू काटा रिज के पास एक सुनसान चट्टान पर पहुंचकर सिया गोयल की ओर से पहले से तय सिग्नल का इंतजार किया।टोम्पे ने कहा, दोनों के बीच यह तय हुआ था कि सही समय आने पर सिया बैठकर इशारा करेगा। सिग्नल मिलने के बाद चेतन चौधरी पीछे से केतन अग्रवाल के पास गया, उसे धक्का देकर चट्टान से नीचे गिरा दिया और वहां से भाग गया। इसके बाद सिया दुर्घटना बताकर चिल्लाने लगी।

14 जून को सिया ने चेतन को दिया था धक्का

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सिया ही मर्डर की मास्टर माइंड है। उसने ही केतन की हत्या के लिए चेतन को उकसाया था। सिया ने 14 जून को भी केतन को मारने की कोशिश की थी। तब भी सिया ने केतन को धक्का दिया था लेकिन केतन ने एक पेड़ को पकड़कर लटक गया था जिससे वह बच गया था। सिया की जब यह योजना फेल हो गई, तब उसने 18 जून को लोहगढ़ जाने की योजना बनाई। लेकिन इस बार केतन की किस्मत ने साथ नहीं दिया। सिया ने चेतन के साथ मिलकर अपने मंगेतर को मौत के घाट उतार दिया।

वारदात वाले दिन चेतन साथ नहीं ले गया अपना फोन

पुलिस को चकमा देने के लिए चेतन ने एक और प्लानिंग की थी। पुलिस को जांच में पता चला कि चेतन ने अपनी लोकेशन की ट्रैकिंग से बचने के लिए एक सोची-समझी साजिश के तहत अपना खुद का फोन अपनी दुकान पर ही छोड़ दिया था और वह अपने एक कर्मचारी का फोन लेकर लोहागढ़ चला गया था। पुलिस उस कर्मचारी से पूछताछ कर रही है।

UK: तंग गलियां और झूलते तार.

बड़े हादसे का न्योता है हल्द्वानी का बाजार, क्या प्रशासन को है इसकी फिक्र?

हल्द्वानी का मुख्य बाजार तंग गलियों, अतिक्रमण, अवैध पार्किंग और झूलते बिजली के तारों के कारण आग की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील हो गया है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि किसी बड़े प्रतिष्ठान में आग लगी तो दमकल वाहनों का घटनास्थल तक पहुंचना मुश्किल हो जाएगा।हल्द्वानी शहर का प्रमुख बाजार आग के लिहाज से बेहद संवेदनशील होता जा रहा है, लेकिन हालात सुधारने की दिशा में अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। बाजार की तंग गलियां, बढ़ता अतिक्रमण, अवैध पार्किंग, सड़क किनारे ठेले और नीचे झूलते बिजली के तार किसी बड़े हादसे को न्योता दे रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बाजार के भीतर किसी बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान में आग लगती है तो दमकल वाहनों के लिए घटनास्थल तक पहुंचना ही सबसे बड़ी चुनौती बन सकता है। ऐसे में आग पर समय रहते काबू पाना मुश्किल हो जाएगा और जान-माल के बड़े नुकसान की आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता।

पटेल चौक: अतिक्रमण और अवैध पार्किंग का अड्डा

मटर गली से आगे निकलकर जैसे ही पटेल चौक के पास पहुंचेंगे तो यह इलाका भी आग लगने की स्थिति में संवेदनशील है। यहां दोनों तरफ दुकानों के आगे अतिक्रमण मिलेगा। सड़क के दोनों ओर दुकानों का अतिक्रमण, सड़क पर ठेले वालों का कब्जा और हर तरफ बेतरतीब खड़ी बाइकें किसी भी आपातकालीन वाहन का रास्ता रोक सकती हैं।

मीरामार्ग: हादसे ने चेताया, लेकिन सिस्टम अब भी सो रहा है

मंगलवार रात मीरा मार्ग क्षेत्र में ही जूते की दुकान में आग लगी थी। इस इलाके की तंग गलियों में दर्जनों दुकानें हैं। यदि आग लगी तो इन क्षेत्रों का दमकल का पहुंचना मुश्किल होगा। खासकर दिन के समय यहां काफी भीड़ होती है और अतिक्रमण से सड़क की चौड़ाई कई फुट घट जाती है।जब किसी वीआईपी का काफिला निकलता है तो मिनटों में सड़कें खाली करा दी जाती हैं और ग्रीन कॉरिडोर बना दिया जाता है। लेकिन जब किसी दुकान, मकान या बाजार में आग लगती है तब वही प्रशासन और पुलिस व्यवस्था नदारद हो जाती है। सोमवार को केवीएम स्कूल में लगी आग के दौरान दमकल की टीम समय पर रवाना हुई लेकिन रास्ते में जाम ने उसकी रफ्तार रोक दी।

कोलकाता गोदाम हादसे पर पीएम मोदी का संज्ञान

मृतकों की संख्या 8 पहुंची; मुआवजे का एलान

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के तारातला इलाके में हुए भीषण गोदाम हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। बुधवार दोपहर श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट ट्रस्ट की जमीन पर निर्माणाधीन तीन मंजिला गोदाम अचानक भरभराकर ढह गया। हादसे के समय इमारत में बड़ी संख्या में मजदूर काम कर रहे थे, जिनमें कई मलबे के नीचे दब गए। राहत और बचाव अभियान के दौरान अब तक आठ मजदूरों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। इस हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी और मातम का माहौल है। हादसे की गंभीरता को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तत्काल इसका संज्ञान लिया और मृतकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि कोलकाता में हुई यह दुर्घटना बेहद दुखद है। उन्होंने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (PMNRF) से मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। घटना के बाद पुलिस, दमकल विभाग, एनडीआरएफ और अन्य बचाव एजेंसियों ने मौके पर पहुंचकर बड़े स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। भारी मशीनों की मदद से मलबा हटाया गया और कई घंटों तक लगातार राहत कार्य चलता रहा। बचाव दलों ने दर्जनों मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला, जबकि कुछ गंभीर रूप से घायल मजदूरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रशासन का कहना है कि अभी भी मलबे की पूरी तरह जांच की जा रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई व्यक्ति अंदर फंसा न रह गया हो। प्रारंभिक जांच में निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों के पालन पर सवाल खड़े हुए हैं। बताया जा रहा है कि निर्माणाधीन इमारत की संरचना अचानक कमजोर पड़ गई, जिसके चलते पूरा ढांचा ढह गया। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हादसे के संबंध में गोदाम निर्माण से जुड़े लोगों से पूछताछ की जा रही है और लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की बात कही गई है। राजनीतिक स्तर पर भी इस हादसे को लेकर प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। राज्य सरकार ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। वहीं विपक्ष ने निर्माण कार्यों में सुरक्षा नियमों की अनदेखी को लेकर सवाल उठाए हैं। इस बीच स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन किया जाता, तो शायद इतना बड़ा हादसा टाला जा सकता था। कोलकाता का यह हादसा एक बार फिर निर्माण स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलता नजर आया है। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाएं यह सवाल खड़ा कर रही हैं कि आखिर कब तक मजदूरों की जान जोखिम में डालकर निर्माण कार्य कराए जाते रहेंगे। फिलहाल पूरे देश की नजरें जांच रिपोर्ट और प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हुई हैं, ताकि इस दर्दनाक हादसे के जिम्मेदार लोगों को सजा मिल सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

गंगा संरक्षण को नई रफ्तार: 13 शहरों में नदी प्रबंधन योजना पूरी

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG) ने गंगा बेसिन के 13 शहरों के लिए शहरी नदी प्रबंधन योजनाएं सफलतापूर्वक पूरी कर ली हैं। राष्ट्रीय शहरी मामलों के संस्थान और विश्व बैंक के सहयोग से संचालित इस परियोजना का उद्देश्य नदी संरक्षण, बाढ़ नियंत्रण, प्रदूषण में कमी और सतत विकास को बढ़ावा देना है। इन योजनाओं के तहत ऋषिकेश, गोरखपुर, प्रयागराज, बक्सर, छपरा और गया समेत कई शहरों में जल निकासी तंत्र के सुधार, कृत्रिम आर्द्र भूमि (वेटलैंड्स) के विकास और नदी तटों के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया है। इससे नदियों के स्वास्थ्य में सुधार और शहरी क्षेत्रों में पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी। अयोध्या और कानपुर में सफल पायलट परियोजनाओं के बाद अब इस पहल का विस्तार किया जा रहा है। पहले चरण में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के 27 शहरों के लिए नई नदी प्रबंधन योजनाएं तैयार की जा रही हैं। इनमें से 12 अतिरिक्त शहरों का कार्य मार्च 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन का उद्देश्य गंगा किनारे बसे सभी 97 शहरों को इस योजना के दायरे में लाना है। अधिकारियों का मानना है कि इससे न केवल नदी प्रदूषण कम होगा, बल्कि बाढ़ प्रबंधन, जल संरक्षण और शहरी विकास को भी नई दिशा मिलेगी। विशेषज्ञों के अनुसार, शहरी नदी प्रबंधन योजनाएं भविष्य में गंगा और उसकी सहायक नदियों को स्वच्छ, सुरक्षित और जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ करोड़ों लोगों के जीवन और आजीविका को भी मजबूत करने का काम करेगी।

मंत्रिमंडल विस्तार पर सस्पेंस बरकरार

क्या मानसून सत्र के बाद होगा मोदी सरकार का बड़ा फैसला?

मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हैं। माना जा रहा है कि फिलहाल केंद्र सरकार कैबिनेट विस्तार की बजाय संसद के आगामी मानसून सत्र और महत्वपूर्ण विधेयकों पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही है। इसी कारण संभावित विस्तार को कुछ समय के लिए टाला जा सकता है। सूत्रों के अनुसार सरकार इस समय विभिन्न क्षेत्रीय दलों के साथ बेहतर तालमेल बनाने और संसद में अपने समर्थन आधार को और मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है। कई महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रस्तावों और विधेयकों को पारित कराने के लिए सरकार राजनीतिक समीकरणों को साधने में जुटी हुई है। लोकसभा और राज्यसभा में बदलते राजनीतिक हालात ने भी मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर अटकलों को बढ़ा दिया है। विभिन्न दलों के भीतर हुए बदलावों और नए समीकरणों के बीच एनडीए अपने संख्या बल को और मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में कैबिनेट विस्तार का फैसला राजनीतिक परिस्थितियों के अनुसार लिया जा सकता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सरकार किसी भी बड़े फेरबदल से पहले मानसून सत्र के दौरान अपनी संसदीय रणनीति को सफल बनाना चाहती है। यही वजह है कि संभावित नए चेहरों और मंत्रालयों में बदलाव को लेकर अभी कोई अंतिम निर्णय सामने नहीं आया है। अब सबकी निगाहें मानसून सत्र पर टिकी हैं। माना जा रहा है कि सत्र समाप्त होने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि सरकार पहले राजनीतिक गणित को पूरी तरह साधती है या फिर लंबे समय से चर्चित मंत्रिमंडल विस्तार का रास्ता खोलती है।

धरती का कहर: 90 वर्षों में भूकंपों ने ली

5.64 लाख से ज्यादा जानें, कई देशों में मची तबाही

विश्व के सबसे खौफनाक भूकंप

2011 मार्च महीने में जापान में लगे भूकंप के झटकों से 18 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई। 9 तीव्रता के इस भूकंप के बाद आई सुनामी में तीन लाख से अधिक इमारतें बह गईं। कई खबरों में एक लाख से ज्यादा मौतों का भी दावा।

2015 नेपाल में अप्रैल में 8.1 तीव्रता का भूकंप। 10 हजार से ज्यादा लोग मारे गए थे। 23 हजार से ज्यादा लोग घायल हुए।

1960 चिली के बाल्डिविया में मई में 9.5 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के बाद सुनामी की लहरों के कारण चिली समेत जापान, फिलीपींस, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी भारी तबाही मची। सभी देशों को मिलाकर 32 हजार से ज्यादा लोगों की मौत।

1964 अमेरिका के अलास्का में मार्च में 9.3 तीव्रता का भूकंप। 200 से ज्यादा लोगों की मौत हुई, 8,000 से अधिक लोग घायल हुए।

वेनेजुएला में आए शक्तिशाली भूकंप ने एक बार फिर दुनिया को प्रकृति की विनाशकारी ताकत का एहसास करा दिया है। इतिहास गवाह है कि जब-जब धरती कांपी है, तब-तब लाखों लोगों की जिंदगी पलभर में बदल गई है। पिछले 90 वर्षों में दुनिया ने कई ऐसे भूकंप देखे हैं, जिन्होंने भारी तबाही मचाई और लाखों लोगों की जान ले ली। साल 2004 में हिंद महासागर में आए 9.1 तीव्रता के भूकंप और उसके बाद आई सुनामी को आधुनिक इतिहास की सबसे बड़ी प्राकृतिक आपदाओं में गिना जाता है। इस त्रासदी में भारत, इंडोनेशिया, श्रीलंका और थाईलैंड समेत कई देशों में करीब ढाई लाख लोगों की मौत हुई थी। वहीं 2010 में हैती में आए 7.0 तीव्रता के भूकंप ने एक लाख से अधिक लोगों की जान ले ली थी। भारत भी कई बार भूकंप की मार झेल चुका है। वर्ष 2001 में गुजरात के भुज में आए 7.7 तीव्रता के भूकंप ने भारी तबाही मचाई थी, जिसमें 30 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। इसके अलावा 2005 के कश्मीर भूकंप में करीब 86 हजार लोगों की जान गई थी, जबकि 2015 में नेपाल में आए भूकंप का असर भारत में भी महसूस किया गया और हजारों लोगों की मौत हुई थी। जापान, तुर्किये, सीरिया, रूस और चिली जैसे देशों में भी विनाशकारी भूकंपों ने लाखों लोगों को प्रभावित किया है। 2023 में तुर्किये और सीरिया में आए भूकंप में लगभग 59 हजार लोगों की मौत हुई थी, जबकि 2011 में जापान में आए भूकंप और सुनामी ने पूरे देश को हिला कर रख दिया था। विशेषज्ञों का मानना है कि भूकंप को रोका नहीं जा सकता, लेकिन बेहतर तैयारी, मजबूत निर्माण और समय रहते चेतावनी व्यवस्था से जनहानि को काफी हद तक कम किया जा सकता है। वेनेजुएला की ताजा त्रासदी ने एक बार फिर दुनिया को सतर्क रहने का संदेश दिया है।

डिजिटल अरेस्ट घोटाले पर सीबीआई का देशभर में बड़ा एक्शन

16 राज्यों के 80 ठिकानों पर छापेमारी

देश में तेजी से बढ़ रहे डिजिटल अरेस्ट और साइबर ठगी के मामलों पर शिकंजा कसते हुए सीबीआई ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की। केंद्रीय जांच एजेंसी ने 'ऑपरेशन चक्र' के तहत 16 राज्यों में एक साथ 80 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की। इस अभियान का मकसद डिजिटल अरेस्ट स्कैम से जुड़े उस नेटवर्क को ध्वस्त करना है, जो देशभर में सैकड़ों लोगों को निशाना बनाकर करोड़ों रुपये की ठगी कर रहा था। सीबीआई ने इस कार्रवाई के लिए 60 विशेष टीमों का गठन किया, जिन्होंने पंजाब, गुजरात, दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, असम, पश्चिम बंगाल, मणिपुर, कर्नाटक और ओडिशा में एक साथ दबिश दी। एजेंसी का मानना है कि इन राज्यों में फैला संगठित साइबर गिरोह फर्जी पहचान, नकली सरकारी अधिकारियों और डिजिटल गिरफ्तारी के नाम पर लोगों को डराकर पैसे ऐंठने का काम कर रहा था। जांच के दौरान सीबीआई को कई ऐसे बैंक खाते और शेल कंपनियों के सुराग मिले हैं, जिनका इस्तेमाल ठगी की रकम को छिपाने और मनी लॉन्ड्रिंग के लिए किया जा रहा था। एजेंसी ने इस मामले में दो संदिग्धों को गिरफ्तार भी किया है। आरोप है कि ये आरोपी फर्जी कंपनियां बनाकर अवैध बैंक खाते खुलवाते थे और उन्हीं खातों के जरिए ठगी की रकम को इधर-उधर ट्रांसफर किया जाता था। सीबीआई अधिकारियों के अनुसार, डिजिटल अरेस्ट स्कैम के 200 से अधिक मामलों की जांच इस अभियान का हिस्सा है। ठग खुद को सीबीआई, ईडी, पुलिस या अन्य सरकारी एजेंसियों का अधिकारी बताकर लोगों को वीडियो कॉल पर 'डिजिटल गिरफ्तारी' में लेने की धमकी देते थे। डर और दबाव बनाकर पीड़ितों से लाखों-करोड़ों रुपये वसूले जाते थे। सीबीआई ने कहा है कि ऑपरेशन चक्र के तहत आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी और साइबर अपराध के पूरे नेटवर्क को खत्म करने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय किया जा रहा है। एजेंसी ने लोगों से भी अपील की है कि किसी भी अनजान कॉल, वीडियो कॉल या खुद को सरकारी अधिकारी बताने वाले व्यक्ति की बातों में न आएं और ऐसी किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत साइबर हेल्पलाइन या पुलिस को सूचना दें।

पैर काट दो... बस जान बचा लो" - कोलकाता गोदाम हादसे मेंर.

मलबे में दबे मजदूर की दर्दनाक पुकार ने झकझोरा देश

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के तारातला इलाके में निर्माणाधीन तीन मंजिला गोदाम ढहने के बाद सामने आई एक मजदूर की दर्दभरी पुकार ने पूरे देश को भावुक कर दिया है। मलबे में कई घंटों तक फंसे एक मजदूर ने बचाव दल से गुहार लगाते हुए कहा, "मेरा पैर काट दो, लेकिन मेरी जान बचा लो।" यह शब्द सुनकर रेस्क्यू टीम के सदस्य भी भावुक हो गए और मजदूर को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए हर संभव प्रयास किया गया। बुधवार दोपहर ट्रांसपोर्ट डिपो रोड स्थित ब्रेस ब्रिज के पास निर्माणाधीन गोदाम का आरसीसी ढांचा अचानक भरभराकर गिर पड़ा। हादसे के वक्त बड़ी संख्या में मजदूर साइट पर काम कर रहे थे। देखते ही देखते पूरा ढांचा मलबे में तब्दील हो गया और कई मजदूर उसके नीचे दब गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और राहत-बचाव अभियान तुरंत शुरू किया गया। प्रशासन के अनुसार, अब तक 22 लोगों को मलबे से बाहर निकाला जा चुका है। शुरुआती रिपोर्ट में पांच मजदूरों की मौत की पुष्टि हुई थी, जबकि बाद में मृतकों का आंकड़ा बढ़ गया। 17 से अधिक घायल मजदूरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों के इलाज के लिए न्यूरोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स और जनरल मेडिसिन विशेषज्ञों की विशेष टीम तैनात की गई है। सेना, एनडीआरएफ, दमकल विभाग और स्थानीय प्रशासन की टीमें लगातार राहत कार्य में जुटी रहीं। बचाव अभियान में शामिल एक सदस्य ने बताया कि मलबे के भीतर फंसा मजदूर दर्द से कराह रहा था और बार-बार अपनी जान बचाने की गुहार लगा रहा था। कई घंटे की मशक्कत के बाद उसे सुरक्षित निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। हादसे के बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बिल्डिंग सुपरवाइजर सैयद मोहम्मद गुलजार और दो लेबर सप्लायर मोहम्मद अताउल तथा सुभाष चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि निर्माण कार्य में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई, जिसकी वजह से यह दर्दनाक हादसा हुआ। मामले की जांच जारी है और प्रशासन ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। कोलकाता का यह हादसा एक बार फिर निर्माण स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। मजदूरों की जिंदगी से जुड़े सुरक्षा नियमों की अनदेखी किस तरह जानलेवा साबित हो सकती है, यह घटना उसका ताजा उदाहरण बन गई है। मजदूर की वह दर्दनाक पुकार — "पैर काट दो, पर जान बचा लो" — अब पूरे देश को झकझोर रही है।

यूपी-दिल्ली में कब पहुंचेगा मानसून? गर्मी और बारिश के बीच बदला मौसम का मिजाज

उत्तर प्रदेश, दिल्ली-एनसीआर और पूरे उत्तर भारत में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। कई जिलों में भीषण गर्मी, उमस और लू का असर बना हुआ है, जबकि कुछ क्षेत्रों में प्री-मानसून बारिश और तेज हवाओं ने लोगों को राहत पहुंचाई है। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई हिस्सों में लू का अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में आने वाले दिनों में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है। वहीं दिल्ली-एनसीआर में भी रुक-रुक कर बारिश और तेज हवाओं का दौर जारी रह सकता है, जिससे तापमान में कुछ गिरावट देखने को मिल सकती है। मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है और गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ तथा झारखंड के कई इलाकों को कवर कर चुका है। अनुकूल परिस्थितियां बनी रहीं तो अगले कुछ दिनों में मानसून उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कई हिस्सों में दस्तक दे सकता है। हालांकि मौसम विभाग का कहना है कि मानसून की पूरी एंट्री से पहले लोगों को गर्मी और उमस का सामना करना पड़ सकता है। बादलों की आवाजाही और हल्की बारिश के बावजूद कई क्षेत्रों में तापमान सामान्य से ऊपर बना हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि जून के अंतिम सप्ताह तक उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में मानसून सक्रिय हो सकता है। इसके बाद झमाझम बारिश के साथ लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है और किसानों के लिए भी मौसम अनुकूल होने लगेगा।

सुपर मॉडल जीजी हदीद की मां योलान्डा ने 62 साल की उम्र में की सगाई चौंक गए फैंस जानिए कौन है मंगेतर?

Yolanda Hadid Engaged: सुपरमॉडल जीजी हदीदी और बेला हदीदी की मां योलान्डा किसी जमाने में भी खुद भी मॉडल रही थीं। हाल ही में उनकी सगाई की खबर सामने आई है। 62 साल की उम्र में वह तीसरी बार अपना घर बसाने वाली हैं। योलान्डा हदीद की सगाई की खबर ने फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स को चौंका दिया। दरअसल, उन्होंने अपने नए रिश्ते को दुनिया से अब तक छिपाकर रखा था। खबर है कि उन्होंने बिजनेसमैन रैंडी केंड्रिक से सगाई की है। बता दें इससे पहले उन्होंने जोसेफ जिंगोली से सगाई की थी, लेकिन यह कुछ समय बाद टूट गई थी। टीएमजेड के मुताबिक रैंडी केंड्रिक ने इस सप्ताह के शुरुआत में योलान्डा को प्रपोज किया। योलान्डा ने भी उनका प्रपोजल स्वीकार कर लिया। इस सगाई की खबर ने अब फैंस, सोशल मीडिया यूजर्स का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। दरअसल, अब तक रैंडी केंड्रिक और योलान्डा की डेटिंग को लेकर कोई जानकारी नहीं थी। योलान्डा के मंगेतर रैंडी केंड्रिक रियल एस्टेट से जुड़े बिजनेसमैन हैं। वह कई कंपनियों के फाउंडर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर हैं। योलान्डा और रैंडी को एक-दो बार ही पब्लिक प्लेस पर साथ देखा गया था लेकिन इनके रिलेशनशिप में होने की अटकलें कभी नहीं लगीं। यही कारण है कि इनकी सगाई की कभी सभी के लिए सरप्राइज की तरह थी।

रैंडी केंड्रिक, योलान्डा हदीद के चौथे पार्टनर हैं। इससे पहले उन्होंने बिजनेसमैन जोसेफ जिंगोली से सगाई की थी जो ज्यादा दिन नहीं चली, इनकी राहें जल्द ही जुदा हो गईं। बता दें कि योलान्डा के पहले दो तलाक भी हो चुके हैं। उन्होंने 1994 में मोहम्मद हदीदी के साथ शादी की, इनका तलाक साल 2000 में हुआ। इन दोनों के तीन बच्चे हैं, जीजी, बेला और अनवर। आगे चलकर योलान्डा ने साल 2011 में म्यूजिक प्रोड्यूसर डेविड फोस्टर से शादी की, लेकिन साल 2017 में इनका भी तलाक हो गया। 62 साल की उम्र में योलांडा की नई शुरुआत ने उनके प्रशंसकों को चौंकाने के साथ-साथ प्रेरित भी किया है। सोशल मीडिया पर फैंस इस खबर को लेकर लगातार प्रतिक्रिया दे रहे हैं और उन्हें नए जीवन के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। जिनसे उनकी तीन संतानें हैं—सुपरमॉडल Gigi Hadid, Bella Hadid और अनवर हदीद।

Karisma Kapoor Bday

परिवार से बगावत कर एक्ट्रेस बनीं स्विम सूट पहना तो मचा बवाल सगाई टूटी तो करियर ही छोड़ा

Karisma kapoor 52nd Birthday: 90 के दशक की मशहूर अभिनेत्री करिश्मा कपूर आज अपना 52वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास मौके पर जानिए एक्ट्रेस के जीवन से जुड़ी खास बातें नब्बे के दशक की वो अभिनेत्री जिसने लाखों दिलों पर राज किया। कई परिवारिक परंपराओं को तोड़ कर वो फिल्मी दुनिया में आई। कपूर घराने से होने के बाद भी विरासत में अभिनय का हुनर लिए करिश्मा कपूर ने इंडस्ट्री में कदम रखा। मगर करिश्मा का जीवन न तो प्रोफेशनली इतना आसान रहा न ही पर्सनली। भारत में बॉलीवुड को स्थापित करने में कपूर खानदान का बड़ा योगदान है।

मगर उनकी भी एक परंपरा थी कि कपूर खानदान की महिलाएं फिल्मों में काम नहीं करेंगी। मगर करिश्मा बचपन से अभिनेत्री बनना चाहती थीं और उनके लिए मां बबीता ने परिवार के खिलाफ जाकर करिश्मा का साथ दिया। करिश्मा ने 1991 में फिल्म 'प्रेम कैदी' से डेब्यू किया। फिल्म में करिश्मा का रोल काफी ग्लैमरस था। एक सीन में उन्होंने स्विमसूट भी पहना जिसपर ऋषि कपूर ने बेहद नराजगी जताई थी। हालांकि फिल्म बॉक्स आफिस पर औसत प्रदर्शन ही कर पाई। 1991 में डेब्यू करने के बाद करिश्मा ने 1992 में एक साथ कई फिल्में साइन कर लीं। अजय देवगन के साथ 1992 में रिलीज हुई फिल्म 'जिगर' ने करिश्मा कपूर की किस्मत बदल दी। दर्शकों ने करिश्मा के पसंद करना शुरू तो किया पर अपनी स्टाइलिंग और लुक के लिए उन्हें काफी आलोचना झेलनी पड़ी। हालांकि, 1993 में रिलीज हुई फिल्म 'अनाड़ी' में करिश्मा के किरदार को काफी पसंद किया गया। इसके बाद तो करिश्मा ने कभी मुड़कर नहीं देखा। करियर से इतर करिश्मा की प्रेम कहानी कभी पूरी नहीं हो सकी। अभिनेत्री की कई कोशिशों के बाद भी उनके रिश्ते ज्यादा समय तक नहीं चल सके। 90 के दशक में उनका नाम अभिनेता अजय देवगन से जुड़ा। मगर जल्द ही इन अफवाहों का खंडन कर दिया गया। इसके बाद सुनने में आया कि विनोद खन्ना ने बेटे अक्षय खन्ना के लिए करिश्मा की मां बबीता को रिश्ता भेजा था

'कॉकटेल 2' ने बुधवार को भी दिखाया दमखम जानें 'मां इंटी बंगारम और बाकी फिल्मों का कितना रहा कलेक्शन

Box Office Collection: वीकेंड पर तो नई और पुरानी रिलीज हुई फिल्मों को दर्शक मिल जाते हैं, लेकिन कुछ फिल्में सोमवार से शुक्रवार के बीच भी अच्छा कलेक्शन करती हैं। इससे अंदाजा हो जाता है कि इन फिल्मों को लेकर दर्शकों में क्रेज है। जानिए, बुधवार को 'कॉकेटल 2' और 'मां इंटी बंगारम' के अलावा बाकी फिल्मों ने कितना कलेक्शन किया है।शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की बॉलीवुड फिल्म 'कॉकटेल 2' वीकडेज पर भी बढ़िया कलेक्शन कर रही है। इसके अलावा बॉक्स ऑफिस पर सामंथा की साउथ फिल्म 'मां इंटी बंगारम' भी मौजूद है। इन दो फिल्मों के अलावा भी कुछ और फिल्में सिनेमाघरों में दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। जानिए, बुधवार को इन फिल्मों का कितना कलेक्शन रहा। होमी अदजानिया निर्देशित फिल्म 'कॉकटेल 2' में दर्शकों को कृति सेनन, रश्मिका मंदाना और शाहिद कपूर का अभिनय भा गया है। सैकनिल्क के मुताबिक इस फिल्म ने छठे दिन यानी बुधवार को 5 करोड़ रुपये की कमाई की है।

जबकि मंगलवार को इसका कलेक्शन 6.75 करोड़ रुपये था। बुधवार को कलेक्शन में थोड़ी गिरावट जरूर थी, लेकिन फिर भी 5 करोड़ बेहतर ही कहा जाएगा। फिल्म की कुल कमाई भी अब तक 66 करोड़ रुपये हो चुका है। सामंथा की साउथ फिल्म 'मां इंटी बंगारम' रिलीज हुए 6 दिन हो चुके हैं। यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया कलेक्शन कर रही है। इस फिल्म ने रिलीज के छठे दिन 2.50 करोड़ रुपये कमाए हैं। जबकि पांचवें दिन 3.50 करोड़ रुपये की कमाई की थी। वहीं फिल्म का कुल कलेक्शन अब तक 33.20 करोड़ रुपये हो चुका है। इस फिल्म में सामंथा ने जबरदस्त एक्शन सीन्स किए हैं। फिल्म को बी.वी. नंदिनी रेड्डी ने निर्देशित किया है। इम्तियाज अली निर्देशित फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' ने रिलीज के 13वें दिन 2.60 करोड़ रुपये कमाए हैं। वहीं 12वें दिन 3.10 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इस फिल्म का कुल कलेक्शन भी अब तक 32.45 करोड़ रुपये हो चुका है। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, वेदांग रैना और शरवरी वाघ ने अदाकारी की है। रामचरण स्टारर फिल्म 'पेद्दी' को भी थिएटर में 21 दिन हो चुके है। इस फिल्म ने बुधवार को 80 लाख रुपये कमाए हैं। मंगलवार को यानी 20वें दिन 'पेद्दी' ने 91 लाख रुपये का कलेक्शन किया था।

Samantha Pregnancy News

Samantha Ruth Shares Pregnancy News: सामंथा रूथ प्रभु ने अपनी प्रेग्नेंसी की खबर फैंस और मीडिया के साथ साझा की है। वह कुछ समय के लिए मैटरनिटी ब्रेक पर जाएंगी।

बुधवार देर रात सामंथा की फिल्म 'मां इंटी बंगारम' के थैंक्स मीट से कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुईं। इनमें से एक में सामंथा कहती हैं, ' मैटरनिटी के लिए छोटा-सा ब्रेक ले रही हूं।' यह कहकर वह मुस्कुराने लगती हैं। सामने बैठे पत्रकार, पैपराजी उन्हें बधाई देते हैं। सोशल मीडिया पर भी फैंस सामंथा के लिए खुश नजर आए, उन्हें ढेर सारी बधाई दी। वायरल वीडियो में सामंथा के चेहरे पर भी प्रेग्नेंसी ग्लो साफ नजर आ रहा था। सामंथा ने नागा चैतन्य से तलाक के बाद पिछले साल 1 दिसंबर 2025 को 'द फैमिली मैन' फेम निर्माता-निर्देशक राज निदिमोरू से शादी की। सामंथा ने राज के साथ 'द फैमिली मैन सीजन 2' (2021) और 'सिटाडेल: हनी बनी' (2024) में काम किया है।

इससे पहले दोनों के डेटिंग की खबरों ने भी काफी चर्चाएं बटोरी थीं। कपल ने कोयंबटूर के ईशा योग सेंटर में सादगी भरे अंदाज में शादी की थी। अब राज और सामंथ माता-पिता बनने वाले हैं। हाल ही में सामंथा की फिल्म 'मां इंटी बंगारम' रिलीज हुई। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया कलेक्शन कर रही है। इस फिल्म ने रिलीज के छठे दिन 2.50 करोड़ रुपये कमाए हैं। वहीं फिल्म का कुल कलेक्शन अब तक 33.20 करोड़ रुपये हो चुका है। इस फिल्म में सामंथा ने जबरदस्त एक्शन सीन्स किए हैं।

सामंथा लंबे समय से अपनी शानदार अभिनय क्षमता और दमदार किरदारों के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने दक्षिण भारतीय सिनेमा के साथ-साथ हिंदी दर्शकों के बीच भी खास पहचान बनाई है। उनके इस फैसले को लेकर प्रशंसकों में उत्साह देखा जा रहा है और सभी उनके स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना कर रहे हैं।

हालांकि अभिनेत्री ने अपने आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन उन्होंने भरोसा दिलाया कि ब्रेक के बाद वह नए उत्साह और ऊर्जा के साथ मनोरंजन जगत में वापसी करेंगी। दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग की चर्चित अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी निजी जिंदगी को लेकर बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि वह मातृत्व की नई यात्रा शुरू करने जा रही हैं। सामंथा ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने प्रशंसकों के साथ यह खुशखबरी साझा की और कहा कि वह मैटरनिटी के लिए अपने काम से कुछ समय का छोटा ब्रेक लेंगी। इसी कारण उन्होंने फिलहाल अपने पेशेवर कार्यक्रमों को सीमित करने का फैसला किया है

शाहरुख खान ऋषि कपूर और दिव्या भारती की फिल्म 'दीवाना' के 34 साल पूरे जानिए फिल्म से जुड़े दिलचस्प किस्से

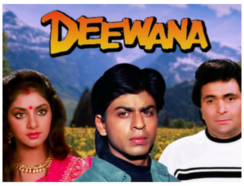

Deewana Movie Completes 34 Years: 25 जून 1992 को रिलीज हुई फिल्म 'दीवाना' ने आज 34 साल पूरे कर लिए हैं। आइए जानते हैं इससे जुड़े कुछ दिलचस्प किस्से।b25 जून 1992 को रिलीज हुई फिल्म 'दीवाना' ने आज 34 साल पूरे कर लिए हैं। इस फिल्म में ऋषि कपूर, दिव्या भारती और शाहरुख खान मुख्य भूमिका में नजर आए थे। फिल्म का निर्देशन राज कंवर ने किया था। खास बात यह है कि इसी फिल्म से शाहरुख खान ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। चाहे आप 90 के दशक के हों या आज की जेनरेशन से, आपने कभी न कभी 'ऐसी दीवानगी' गाना जरूर सुना होगा। लेकिन इस फिल्म के बनने की कहानी भी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। आइए जानते हैं

1991 में अपनी पहली निर्देशित फिल्म 'दिल आशना है' के लिए हेमा मालिनी एक नए चेहरे की तलाश कर रही थीं। इसी दौरान उन्होंने टीवी शो 'फौजी' में शाहरुख खान को देखा और उन्हें ऑडिशन के लिए बुलाया।vपहली मुलाकात में शाहरुख का लुक देखकर वह पूरी तरह प्रभावित नहीं हुईं, लेकिन उन्होंने उन्हें दोबारा बुलाया और उनका लुक बदलवाया। बाद में धर्मेंद्र से मुलाकात के दौरान उन्होंने कहा कि इस लड़के में कुछ खास है और इसे मौका मिलना चाहिए। दिलचस्प बात यह है कि 'दिल आशना है' शाहरुख की पहली साइन की गई फिल्म थी, लेकिन रिलीज में देरी के कारण 'दीवाना' पहले रिलीज हुई और वही उनकी डेब्यू फिल्म बन गई। फिल्म के लिए पहले अरमान कोहली और सनी देओल को अप्रोच किया गया था, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। इसके बाद निर्माता गुड्डू धनोआ, शेखर कपूर के कहने पर शाहरुख खान से मिलने दिल्ली गए। गुड्डू धनोआ ने एक इंटरव्यू में बताया कि उस समय तक शाहरुख की कोई फिल्म रिलीज नहीं हुई थी। शुरुआत में शाहरुख ने फिल्म करने से मना कर दिया क्योंकि वह पहले से कई फिल्मों में व्यस्त थे। लेकिन जब उन्होंने कहानी सुनी, खासकर सेकंड हाफ, तो उन्हें बहुत पसंद आया और उन्होंने फिल्म करने के लिए हां कह दी। दिलचस्प बात यह रही कि जिन फिल्मों के लिए उनके पास समय नहीं था, उन्हीं के बीच 'दीवाना' की शूटिंग पूरी हुई और वही सबसे पहले रिलीज होकर सुपरहिट साबित हुई। शाहरुख खान ने एक इंटरव्यू में बताया था कि 'दीवाना' बिना ज्यादा लॉजिक वाली फिल्म थी।

Raghubir Yadav: साड़ी पहनकर करते थे महिला किरदार ढाई रुपये में किया गुजारा जानें रघुबीर यादव के 10 किस्से

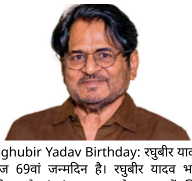

Raghubir Yadav Birthday: रघुबीर यादव का आज 69वां जन्मदिन है। रघुबीर यादव भारतीय सिनेमा और रंगमंच का एक ऐसा नाम हैं, जिन्होंने अपनी सादगी और बेहतरीन अभिनय से हर पीढ़ी के दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाई है। उनके जन्मदिन के मौके पर जानिए उनकी जिंदगी से जुड़े 10 दिलचस्प किस्से।

25 जून 1957 को मध्य प्रदेश के जबलपुर के पास एक गांव में जन्मे रघुबीर यादव आज अपना 69वां जन्मदिन मना रहे हैं। किसान परिवार में पले-बढ़े रघुबीर का जीवन बेहद संघर्षों भरा रहा है। आइए जानते हैं उनके जीवन से जुड़े पूरे 10 दिलचस्प किस्से। बोर्ड परीक्षा में फेल होने के डर से रघुबीर घर से भागकर ललितपुर आ गए। वहां पैसों की तंगी के बीच उनकी मुलाकात मशहूर अभिनेता अन्नू कपूर के पिता मदनलाल की थियेटर कंपनी से हुई।

शादी की खबर पर मुहर लगने के बाद जेंडाया ने टॉम के साथ साझा की रोमांटिक तस्वीरें रोम में कर रहे प्रमोशन

Tom Holland Zendaya Romantic Photos: टॉम हॉलैंड की शादी की पुष्टि करने के बाद आज जेंडया ने रोम से सोशल मीडिया पर रोमांटिक तस्वीरें शेयर की हैं। दोनों की इतनी खूबसूरत तस्वीरें देखकर फैंस बेहद खुश हैं। हॉलीवुड के मशहूर कपल टॉम हॉलैंड और जेंडया ने आखिरकार अपनी शादी की पुष्टि कर दी है। दोनों ने काफी समय तक अपने रिश्ते और शादी को छुपाकर रखा था, लेकिन हाल ही में टॉम हॉलैंड ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि उन्होंने गुपचुप तरीके से शादी कर ली है।

फिलहाल, यह कपल अपनी आने वाली फिल्म 'स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे' के प्रमोशन के लिए इटली के रोम शहर में है। आज जेंडाया ने अपनी और टॉम की कुछ रोमांटिक तस्वीरें शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है। जेंडया ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं। इनमें से एक सेल्फी में टॉम हॉलैंड उन्हें प्यार से किस हुए नजर आ रहे हैं। इस रोमांटिक फोटो को देखकर फैंस बेहद खुश हैं। टॉम हॉलैंड ने 'एस्क्वायर' मैगजीन को दिए इंटरव्यू में बताया

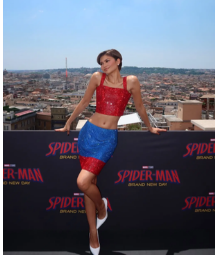

Jet Fuel Crisis: 2026 में क्यों महंगा होगा हवाई सफर विमानन ईंधन संकट से 25% तक बढ़ सकता है किराया

मैकिन्जी की एक नई रिपोर्ट के अनुसार 2026 में विमानन ईंधन की कीमतों में भारी उछाल से देश में हवाई किराया 25 फीसदी तक बढ़ सकते हैं। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। गर्मियों की छुट्टियों के सीजन में हवाई सफर की मांग बढ़ने के साथ ही यात्रियों की जेब पर भारी बोझ पड़ने के आसार हैं। भू-राजनीतिक तनाव और रिफाइनरियों में उत्पादन की कमी के कारण दुनियाभर में जेट फ्यूल (एविएशन टर्बाइन फ्यूल या एटीएफ) का संकट गहराने लगा है। कंसल्टिंग फर्म 'मैकिन्जी' की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, इस आपूर्ति संकट से एयरलाइंस की लागत तेजी से बढ़ रही है, जिसका सीधा असर टिकट के दामों पर पड़ेगा और हवाई किराया 25 फीसदी तक महंगा हो सकता है।

हवाई ईंधन की कीमतों में यह उछाल मुख्य रूप से कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) के ट्रेंड और 'क्रैक स्प्रेड' में वृद्धि के कारण आया है। आसान भाषा में समझें तो, कच्चे तेल और उससे रिफाइन होकर बनने वाले उत्पादों (जैसे जेट फ्यूल) की कीमत के बीच के अंतर को 'क्रैक स्प्रेड' कहा जाता है। ऐतिहासिक रूप से विमानन ईंधन का क्रैक स्प्रेड 20 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहता था, लेकिन 2026 में इसका औसत 50 डॉलर प्रति बैरल के पार जा सकता है।दुनिया की कुल 40 प्रतिशत जेट फ्यूल सप्लाई खाड़ी क्षेत्र और एशियाई देशों के निर्यातकों द्वारा की जाती है। मौजूदा समय में इन दोनों क्षेत्रों से सप्लाई बाधित हुई है:किसी भी एयरलाइन के कुल खर्च में लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ ईंधन का होता है। रिपोर्ट के मुताबिक, अगर जेट फ्यूल की लागत दोगुनी होती है और एयरलाइंस इस बढ़े हुए खर्च का बोझ सीधे ग्राहकों पर डालती हैं, तो हवाई टिकटों के दाम 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ सकते हैं। हालांकि रिफाइनरियों ने मुनाफे को देखते हुए उत्पादन बढ़ाने की कोशिश की है, लेकिन अन्य क्षेत्रों से मिलने वाली राहत भी मौजूदा कमी को पूरा करने के लिए नाकाफी है।मैकिन्जी की रिपोर्ट एक सकारात्मक संभावना जताती है कि अगर होर्मुज जलडमरूमध्य में टैंकरों की आवाजाही बढ़ती है, तो तत्काल प्रभाव से जेट फ्यूल की कीमतें नीचे आ सकती हैं

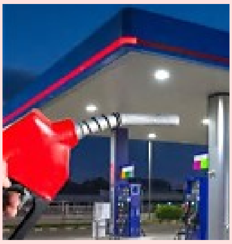

GDP: ऊर्जा संकट और कमजोर मॉनसून

भारत की वृद्धि दर 6.6 फीसदी रहने का अनुमान

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भारत की वित्त वर्ष 2027 की सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर 6.6 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। ऊर्जा तनाव, कमजोर मॉनसून और वैश्विक मंदी इसके मुख्य कारण हैं। महंगाई बढ़ने और नीतिगत दर में बढ़ोतरी की भी आशंका है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने बुधवार, 24 जून 2026 को एक रिपोर्ट जारी की है। इसमें भारत की सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर वित्त वर्ष 2027 में धीमी रहने का अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, यह वृद्धि दर 6.6 फीसदी तक गिर सकती है। ऊर्जा तनाव, कमजोर मॉनसून और वैश्विक आर्थिक वृद्धि में कमी इसके प्रमुख कारण होंगे। एसएंडपी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि वित्त वर्ष 2026 में भारत की अर्थव्यवस्था ने 7.7 फीसदी की वृद्धि दर्ज की थी। वित्त वर्ष 2025 में यह 7.1 फीसदी रही थी। अब मार्च 2027 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष में वृद्धि दर 6.6 फीसदी रहने का अनुमान है।भारतीय रिजर्व बैंक का वृद्धि दर के लिए अनुमान भी 6.6 फीसदी ही है। अल नीनो के प्रभाव से मॉनसून की बारिश कमजोर हुई है। 22 जून तक बारिश की कमी 43 फीसदी तक बढ़ गई है। सरकार ने कमजोर मॉनसून से निपटने के लिए राज्य-वार आकस्मिक योजनाएं तैयार की हैं। इन योजनाओं में कम बारिश की स्थिति के अनुकूल वैकल्पिक फसलों की सिफारिश की गई है।भारत अपनी कच्चे तेल की 88 फीसदी जरूरतें आयात करता है। वैश्विक कीमतों में वृद्धि से भारत का आयात बिल बढ़ता है। इससे देश में महंगाई भी बढ़ती है। पश्चिम एशिया संघर्ष से उत्पन्न ऊर्जा तनाव का असर दिख रहा है। उद्योग को कच्चे माल की लागत में भारी वृद्धि का सामना करना पड़ रहा है। आपूर्तिकर्ताओं के वितरण समय में भी देरी हो रही है।उर्वरक की ऊंची कीमतें खाद्य उत्पादन पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं।

The Bonus Market Update:

गुरुवार को सेंसेक्स 77,358 और निफ्टी 24,126 पर खुले। कच्चे तेल की गिरती कीमतों से निवेशकों को मिली राहत। पूरी बिजनेस रिपोर्ट पढ़ें और निवेश से जुड़े अहम संकेत समझें।पिछले कारोबारी सत्र में बढ़त के बाद भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार की सुबह एक बार फिर खरीदारी दिखी। निवेशकों के बीच कच्चे तेल की गिरती कीमतों ने बाजार के सेंटीमेंट में नया जोश भर दिया है।सुबह 09 बजकर16 मिनट पर ओपनिंग बेल के साथ ही बाजार में मजबूत तेजी का रुझान दिखा। बीएसई (BSE) का सेंसेक्स 367.18 अंक यानी 0.47% की बढ़त के साथ 77,358.40 के स्तर पर खुला। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 104.75 अंक (0.44%) की छलांग लगाते हुए 24,126.40 के स्तर पर पहुंच गया। कारोबार की शुरुआत में ही सेंसेक्स में 400 अंकों से ज्यादा का उछाल देखा गया। शुरुआती कारोबार में दिग्गज आईटी कंपनी एचसीएल टेक और एविएशन सेक्टर की प्रमुख कंपनी इंडिगो के शेयरों में 2-2 प्रतिशत की शानदार तेजी दर्ज की गई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत गिरकर 76 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गई है, जो इसका चार महीने का सबसे निचला स्तर है। तेल सस्ता होना भारतीय अर्थव्यवस्था और कंपनियों के लिए एक बहुत बड़ा 'पॉजिटिव ट्रिगर' है। होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते जहाजों की आवाजाही में लगातार सुधार हो रहा है। इससे वैश्विक स्तर पर तेल की आपूर्ति बाधित होने की चिंताएं काफी हद तक कम हो गई हैं, जिससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है।जापान के निक्केई/टोपिक्स इंडेक्स में 1.3% की शानदार बढ़त दर्ज की गई है। वहीं, अमेरिकी बाजार में एसएंडपी 500 फ्यूचर्स 0.5% ऊपर कारोबार कर रहे हैं, जो एक मजबूत संकेत है।

Gold Silver Price:

डॉलर की मजबूती से सोना 3000 रुपये, चांदी

दिल्ली में सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। मजबूत अमेरिकी डॉलर और ब्याज दरें बढ़ने की आशंका से कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ा। जानें क्या कहते हैं विशेषज्ञ। देश की राजधानी दिल्ली में मंगलवार को सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। मजबूत अमेरिकी डॉलर के कारण विदेशी बाजारों में कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ा। सोना 3,000 रुपये सस्ता होकर 1.49 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। वहीं, चांदी 10,500 रुपये गिरकर दो महीने से अधिक के निचले स्तर पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 फीसदी शुद्धता वाला सोना 3,000 रुपये या 2 फीसदी गिरकर 1,49,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया। इससे पहले 27 मार्च को सोना 1,47,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था। चांदी भी इस बिकवाली की चपेट में आई। यह 10,500 रुपये या 4.3 फीसदी गिरकर 2,35,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई। यह दो महीने से अधिक का सबसे निचला स्तर है।

इससे पहले तीन अप्रैल को सफेद धातु 2,37,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में स्पॉट गोल्ड 70.33 अमेरिकी डॉलर या लगभग 2 फीसदी गिरकर 4,121.10 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर आ गया। चांदी भी 4 फीसदी से अधिक गिरकर 62.27 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने बताया कि घरेलू बाजारों में सोने की कीमतें मंगलवार को कम रहीं। इसका मुख्य कारण मजबूत अमेरिकी डॉलर और ऊंची ब्याज दरों की उम्मीदें हैं। ये कारक कीमती धातुओं पर लगातार दबाव डाल रहे हैं। विश्लेषकों ने कहा कि मजबूत डॉलर कीमती धातुओं के लिए प्राथमिक चुनौती बनकर उभरा है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में वृद्धि की चिंताओं से कमोडिटीज दबाव में हैं। डॉलर सूचकांक लगातार छठे सत्र में बढ़कर 101.15 पर पहुंच गया। यह मई 2025 के बाद का उच्चतम स्तर है। व्यापारियों ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा एक और दर वृद्धि की संभावना को तेजी से शामिल किया है। इसी कारण डॉलर में मजबूती देखी जा रही है। फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति को लेकर बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। कोटक सिक्योरिटीज की एवीपी कमोडिटी रिसर्च कायनात चेनवाला ने कहा कि सोमवार को अमेरिकी-ईरान वार्ता में प्रगति से कच्चे तेल पर दबाव पड़ा था। इससे कीमती धातुओं में मामूली वृद्धि हुई थी। हालांकि, दर वृद्धि की उम्मीदों ने फिर से अपना प्रभुत्व जमा लिया। उन्होंने बताया कि सोने की कीमतें दबाव में रहने की संभावना है।

डिजिटल पेमेंट में 'भीम' की लंबी छलांग,

बुधवार को जारी आधिकारिक रिलीज के अनुसार, जून 2025 से लेकर मई 2026 के बीच ट्रांजैक्शन वॉल्यूम तेजी से बढ़ा है। जहां जून 2025 में इस प्लेटफॉर्म पर 7.96 करोड़ (79.64 मिलियन) लेन-देन हुए थे, वहीं मई 2026 में यह आंकड़ा बढ़कर 24.4 करोड़ (244 मिलियन) तक पहुंच गया। सिर्फ लेन-देन की संख्या ही नहीं, बल्कि मूल्य के

भीम एप के ट्रांजैक्शन में बंपर उछाल आया है। मई 2026 में 26,952 करोड़ रुपये का लेन-देन हुआ। किराना और खाने-पीने की दुकानों पर डिजिटल पेमेंट का चलन बढ़ा है। पूरी बिजनेस रिपोर्ट पढ़ें और जानें इसके कारण। भारत में डिजिटल पेमेंट का चलन अब आम जनता की रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। नकद के बजाय स्मार्टफोन से होने वाले भुगतान में लगातार तेजी आ रही है। इसी मजबूत रुझान का असर एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड (एनबीएसएल) द्वारा विकसित 'भीम (BHIM) पेमेंट्स ऐप' के आंकड़ों में देखने को मिला है। पिछले एक साल में इस एप के जरिए होने वाले लेन-देन (ट्रांजैक्शन) की संख्या में तीन गुना से अधिक का उछाल आया है।राष्ट्रीय स्तर पर दिख रहे इस उछाल का पैटर्न राज्यों में भी साफ नजर आ रहा है।

RegisterKaro ने जीएसटी और ट्रेडमार्क रजिस्ट्रेशन को बनाया

देश में कारोबार शुरू करने वाले ज्यादातर लोगों के लिए जीएसटी नंबर लेना या ट्रेडमार्क के लिए आवेदन करना अब तक एक थका देने वाली प्रक्रिया रही है । बिज़नेस रजिस्ट्रेशन और अनुपालन (compliance) सेवाएं देने वाली ऑनलाइन कंपनी RegisterKaro ने इसी शुरुआती हिस्से को बदलने की कोशिश की है। कंपनी ने अपने वेब पोर्टल के जरिए GST और Trademark Registration के लिए एक ऑटोमेटेड (स्वचालित) ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया शुरू की है, जिसमें यूजर खुद ही सेवा शुरू कर सकता है और भुगतान भी कर सकता है। RegisterKaro Private Limited Company Registration सेवा के क्षेत्र में माहिर कंपनी, हर कदम पर किसी कर्मचारी से बार-बार बातचीत की जरूरत नहीं। इस प्रक्रिया के पीछे सोच बेहद सरल है। यूजर सीधे संबंधित सेवा के पेज पर पहुंचता है: जीएसटी रजिस्ट्रेशन या ट्रेडमार्क रजिस्ट्रेशन। यहां कोई फॉर्म भरकर कॉलबैक का इंतजार करने के बजाय, यूजर अपने और अपने कारोबार से जुड़ी कुछ बुनियादी जानकारी भरता है और फिर सीधे प्लेटफॉर्म पर ही भुगतान कर देता है। भुगतान की पुष्टि होते ही आवेदन अपने आप आगे बढ़ जाता है। सिस्टम जानकारी को दर्ज करता है, अनुरोध को रजिस्टर करता है और फाइलिंग की प्रक्रिया शुरू कर देता है। इससे उन तमाम मैनुअल कदमों की संख्या घट जाती है जो आमतौर पर काम को धीमा करते हैं। यूजर के लिहाज से, जो काम पहले कई दिनों और कई बातचीत में पूरा होता था, अब एक ही स्क्रीन पर चंद आसान चरणों में सिमट जाता है। चूंकि अब शुरुआत किसी कर्मचारी द्वारा पूछताछ उठाने पर निर्भर नहीं रहती, इसलिए समय भी बचता है और गलतफहमी की गुंजाइश भी कम हो जाती है। लोगो या पहचान की रक्षा करता है । एक ऐसा कदम जिसे उद्यमी अक्सर तब तक टालते रहते हैं जब तक कोई विवाद या निवेश से जुड़ी बातचीत सामने न आ जाए।

महज पांच साल के सफर में यह प्लेटफॉर्म एक छोटे स्टार्टअप से बढ़कर 500 से ज्यादा पेशेवरों, जिनमें चार्टर्ड अकाउंटेंट, कंपनी सेक्रेटरी और कानूनी विशेषज्ञ शामिल हैं, और देशभर में 50,000 से ज्यादा ग्राहकों को सेवाएं दे चुका है। कंपनी का खास ध्यान टियर-2 और टियर-3 शहरों के उन उद्यमियों पर रहा है, जिन्हें अक्सर भरोसेमंद और किफायती पेशेवर मदद आसानी से नहीं मिल पाती। जैसे-जैसे देश के ज्यादा से ज्यादा कारोबार ऑनलाइन आ रहे हैं और डिजिटल भुगतान आम होता जा रहा है, सरकारी सेवाओं से जुड़ी प्रक्रियाओं को लेकर भी लोगों की उम्मीदें बदल रही हैं। अब लोग ऐसी सुविधा चाहते हैं जो ऐप पर तुरंत मिले और दफ्तर के समय की पाबंदी से मुक्त हो। किसी छोटे कारोबारी के लिए इसका सीधा मतलब यह है कि जो काम पहले कई दिन और कई बातचीत मांगता था, उसे अब रात-दिन कभी भी, अपने फोन या लैपटॉप से खुद शुरू किया जा सकता है। पेशेवर अब भी आवेदनों की जांच और फाइलिंग करते हैं;

जीएसटी रजिस्ट्रेशन और ट्रेडमार्क सुरक्षा किसी भी नए कारोबार के सबसे शुरुआती औपचारिक कदमों में से हैं। जीएसटी रजिस्ट्रेशन कारोबार को एक अनूठा 15 अंकों का GSTIN देता है, जिससे वह कानूनी रूप से कर वसूलने, जमा करने और राज्यों के बीच कारोबार करने का अधिकार पाता है। वहीं ट्रेडमार्क किसी ब्रांड के नाम, लोगो या पहचान की रक्षा करता है । एक ऐसा कदम जिसे उद्यमी अक्सर तब तक टालते रहते हैं जब तक कोई विवाद या निवेश से जुड़ी बातचीत सामने न आ जाए। दिलचस्प बात यह है कि अड़चन अक्सर सरकारी पोर्टल नहीं, बल्कि उसके आसपास का तालमेल रहा है: सही दस्तावेज जुटाना, शर्तें समझना और मदद के लिए इंतजार करना। ऑनबोर्डिंग को ऑटोमेट करके RegisterKaro इसी तालमेल वाली परत को आसान बना रहा है। असल आवेदन अब भी आधिकारिक जीएसटी और ट्रेडमार्क सिस्टम पर ही दाखिल होते हैं और योग्य पेशेवर उनकी जांच करते हैं- बदलाव सिर्फ इस बात में है कि प्रक्रिया कहां से और कितनी तेजी से शुरू होती है।

Aaj Ka Rashifal 25 June

निर्जला एकादशी पर दुर्लभ योग जानें 12 राशियों के लिए कैसा रहेगा दिन?

25 June Ka Rashifal: आचार्य मानस शर्मा से जानें चंद्र राशि आधारित मेष से मीन तक सभी राशियों का 25 जून 2026 का दैनिक राशिफल और ग्रह गोचर का प्रभाव। 25 जून 2026, गुरुवार को निर्जला एकादशी का पावन व्रत रखा जाएगा। ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की यह एकादशी भगवान विष्णु की आराधना के लिए बेहद शुभ मानी जाती हैऔर इसे वर्ष की सबसे फलदायी एकादशी कहा जाता है।

मेष

आज का दिन आपके लिए समृद्धि और नई उम्मीदों की सौगात लेकर आया है। जिम्मेदारियां भले ही बढ़ती हुई महसूस हों, लेकिन आपके भीतर का आत्मविश्वास हर चुनौती को अवसर में बदलने की क्षमता रखता है। किसी नए काम की शुरुआत का विचार मन में आ सकता है, और यही कदम भविष्य में लाभ का कारण बनेगा। घर में मेहमानों की चहल-पहल से रौनक बनी रहेगी। लंबे समय से जिस इच्छा को आप दिल में संजोए हुए थे, उसके पूरे होने के संकेत हैं। विद्यार्थियों के लिए यह दिन मेहनत और उपलब्धि का सुंदर संगम लेकर आया है। नौकरीपेशा लोगों को केवल एक बात याद रखनी होगी, छोटी लापरवाही बड़े परिणाम दे सकती है, इसलिए सजग रहें।

वृषभ

आज भाग्य आपकी मेहनत को पहचान दिलाने के मूड में है। समाज में आपके कार्यों की चर्चा होगी और सम्मान मिलने के योग बन रहे हैं। आपकी समझदारी और अनुभव आज कई मुश्किल रास्तों को आसान बना देंगे। छोटी यात्रा का योग बन सकता है, जो केवल सफर नहीं बल्कि किसी लाभदायक अवसर का द्वार भी साबित हो सकती है। किसी की कही हुई बातों पर आंख बंद करके भरोसा न करें। आपकी प्रतिभा और रचनात्मकता आज लोगों को प्रभावित करेगी और आपको विशेष पहचान दिला सकती है।

मिथुन

आज सितारे आपको संतुलन का महत्व समझाने वाले हैं। आय और खर्च के बीच तालमेल बनाकर चलेंगे तो मन भी शांत रहेगा और परिस्थितियां भी आपके अनुकूल होती जाएंगी। किसी यात्रा या मुलाकात के दौरान ऐसी जानकारी मिल सकती है जो आगे चलकर बड़ा लाभ दे। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही बिल्कुल न करें। कार्यक्षेत्र में यदि कोई उलझन सामने आए तो जल्दबाजी से बचें। आज आपके द्वारा उठाया गया कोई नया कदम भविष्य की सफलता का बीज साबित हो सकता है। पुरानी गलतियों से मिली सीख आज आपकी सबसे बड़ी पूंजी बनेगी।

कर्क

आज का दिन सफलता और सावधानी, दोनों का संदेश लेकर आया है। एक ओर कार्यक्षेत्र में उपलब्धि मिलने की संभावना है, तो दूसरी ओर स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता है। धन कमाने के मामले में सही मार्ग ही आपके लिए शुभ रहेगा। कोई ऐसा काम, जो लगभग पूरा हो चुका था, अचानक अटक सकता है, लेकिन धैर्य रखने से स्थिति संभल जाएगी। विदेश में शिक्षा या करियर का सपना देखने वालों को अच्छी खबर मिल सकती है। साथ ही, कोई पुराना लेन-देन निपटने से मन को बड़ी राहत मिलेगी।

सिंह

आज धैर्य ही आपका सबसे बड़ा हथियार साबित होगा। परिवार में कुछ छोटी-मोटी उलझनें मन को विचलित कर सकती हैं, लेकिन आपकी समझदारी हालात को संभाल लेगी। किसी को वादा करने से पहले सोच-विचार अवश्य करें। अधूरे कामों को टालना आज नुकसानदायक हो सकता है। आर्थिक मामलों में भी सावधानी जरूरी है, विशेषकर यदि किसी को धन उधार देने की बात हो। आध्यात्मिक और धार्मिक विषयों में रुचि बढ़ेगी, और यही रुचि आपको मानसिक शांति का अनुभव कराएगी। अतीत की गलतियां आज भविष्य को बेहतर बनाने की सीख देंगी।

कन्या

आज का दिन आपको सोच-समझकर कदम बढ़ाने की सलाह देता है। जोखिम भरे फैसलों से दूरी बनाए रखना ही समझदारी होगी। कोई सरकारी कार्य लंबे समय से रुका हुआ था तो उसमें प्रगति देखने को मिल सकती है। हालांकि कुछ काम आखिरी समय में अटक भी सकते हैं, इसलिए धैर्य बनाए रखें। किसी नए व्यक्ति पर तुरंत भरोसा करना उचित नहीं होगा। परिवार में किसी शुभ आयोजन की तैयारी घर को खुशियों से भर सकती है। राजनीति या सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों को विशेष सम्मान और पहचान मिलने के संकेत हैं।

तुला

आज योजनाबद्ध तरीके से किया गया हर प्रयास सफलता के करीब ले जाएगा। रियल एस्टेट या संपत्ति से जुड़े लोगों के लिए यह समय लाभकारी दिखाई दे रहा है। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और आप साहस के साथ नए निर्णय ले पाएंगे। सरकारी योजनाओं में निवेश लाभदायक साबित हो सकता है। वाहन से जुड़ा कोई खर्च अचानक सामने आ सकता है, इसलिए आर्थिक संतुलन बनाए रखें। ससुराल पक्ष से कोई सुखद समाचार मिल सकता है, जो पूरे दिन को आनंदमय बना देगा।

वृश्चिक

आज कुछ लोग आपकी राह में बाधाएं खड़ी करने का प्रयास कर सकते हैं, लेकिन आपका आत्मविश्वास और सूझबूझ उन्हें सफल नहीं होने देंगे। लंबे समय से चली आ रही किसी चिंता से राहत मिलेगी। संतान के भविष्य को लेकर मन में हल्की चिंता बनी रह सकती है, लेकिन जल्द ही सकारात्मक संकेत मिलने लगेंगे। स्वास्थ्य में, विशेष रूप से आंखों का ध्यान रखें। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें और किसी भी लेन-देन को पूरी स्पष्टता के साथ करें।

धनु

आज आपकी वाणी ही आपका सबसे बड़ा आकर्षण होगी। लोग आपके व्यवहार और विचारों से प्रभावित होंगे। करियर में नए अवसर सामने आ सकते हैं और नई नौकरी का प्रस्ताव भी मिल सकता है। खर्चों पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा, अन्यथा बाद में परेशानी महसूस हो सकती है। दूसरों के मामलों में अनावश्यक दखल देने से बचें। परिवार में प्रेम और एकता बनी रहेगी। घर या संपत्ति खरीदने का विचार मन में आ सकता है, और भविष्य की योजनाएं आकार लेने लगेंगी।

मकर

आज व्यापार और करियर, दोनों क्षेत्रों में आपके लिए अच्छे संकेत दिखाई दे रहे हैं। आपके कार्यों की सराहना होगी और पहचान में वृद्धि होगी। हालांकि कोई महत्वपूर्ण डील अंतिम समय पर अटक सकती है, इसलिए धैर्य बनाए रखें। समय और धन का सही उपयोग करना आज बेहद जरूरी रहेगा। आसपास के लोगों को परखने की जरूरत है, क्योंकि हर मुस्कुराने वाला व्यक्ति आपका शुभचिंतक नहीं होता। परिवार की ओर से मिली कोई खबर थोड़ी चिंता दे सकती है, लेकिन आप अपनी समझदारी से स्थिति को संभाल लेंगे।

कुंभ

आज का दिन ऊर्जा, उत्साह और उपलब्धियों से भरा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और प्रतिभा लोगों का ध्यान आकर्षित करेगी। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। बच्चों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा, और परिवार के साथ बिताए गए ये पल यादगार बन सकते हैं। ऑनलाइन कार्यों से जुड़े लोगों को विशेष सफलता मिलने के संकेत हैं। नए संपर्क भविष्य में लाभदायक सिद्ध होंगे। व्यापार में अटकी हुई कोई डील पूरी होकर आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकती है।

मीन

आज खुशियां जैसे आपके दरवाजे पर दस्तक देने वाली हैं। दिन की शुरुआत किसी शुभ समाचार से हो सकती है, और लगातार सकारात्मक घटनाएं आपका उत्साह बढ़ाएंगी। पिता के साथ किसी बात पर मतभेद हो सकता है, लेकिन संयम से स्थिति सहज हो जाएगी। वैवाहिक जीवन में छोटी बातों को बड़ा बनने से रोकना जरूरी होगा। यदि कोई गलती सामने आती है तो उसे स्वीकार करना ही रिश्तों को मजबूत बनाएगा। आपकी विनम्रता और सच्चाई ही आज संबंधों में फिर से मिठास घोलने का काम करेगी।

Aaj Ka Love Rashifal

वृषभ और मीन राशि पर मेहरबान रहेंगे प्रेम के सितारे जानें कैसा रहेगा आपका दिन

Love Horoscope 25 June 2026: मेष से मीन राशि तक सभी 12 राशियों के लिए प्रेम, रिश्तों, वैवाहिक जीवन और रोमांस से जुड़े खास ज्योतिषीय संकेत पढ़ें। आज आपकी लव लाइफ कैसी रहेगी, जानिए विस्तार से। 25 जून 2026 का दिन प्रेम जीवन के लिहाज़ से खास महत्व रखता है।

मेष लव राशिफल (Aries Love Horoscope):

आज पार्टनर के साथ किसी मुद्दे पर तीखी बातचीत हो सकती है, जिससे रिश्ते में थोड़ी खटास आ सकती है। सिंगल जातक माता-पिता की इच्छा के अनुसार शादी करने के लिए तैयार हो सकते हैं।

वृषभ लव राशिफल (Taurus Love Horoscope):

आज पार्टनर पूरी दुनिया से बेखबर होकर आपके साथ रोमांटिक समय बिताना चाहेंगे। बाकी लोग अपने रिश्ते में मधुरता बनाए रखने की कोशिश करेंगे। सिंगल जातकों को अपना क्रश ऑफिस में नजर न आने पर थोड़ी बेचैनी महसूस हो सकती है।

मिथुन लव राशिफल (Gemini Love Horoscope):

आज पार्टनर आपको खुश करने के लिए कोई खास गिफ्ट दे सकते हैं। प्रेमी-प्रेमिका साथ में किसी रोमांटिक डेट पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं। सिंगल जातक अपने क्रश को लंच पर इनवाइट करने का सोच सकते हैं।

कर्क लव राशिफल (Cancer Love Horoscope):

आज पार्टनर की कोई बात दिल को चोट पहुंचा सकती है, जिससे दोनों के बीच मामूली गलतफहमी पैदा हो सकती है। सिंगल जातक अपने एक्स की यादों में खोए हुए नजर आएंगे।

सिंह लव राशिफल (Leo Love Horoscope):

आज पार्टनर किसी और की बातों में आकर आप पर शक कर सकते हैं। रिश्ते में आई ठंडक को दूर करने के लिए पार्टनर नई कोशिश करेंगे। सिंगल जातक सोशल मीडिया पर किसी के साथ फ्लर्ट करने में व्यस्त रह सकते हैं।

कन्या लव राशिफल (Virgo Love Horoscope):

लंबे समय से रिलेशनशिप में रहने वाले जातक आज अपने रिश्ते को अगले पड़ाव यानी शादी की तरफ ले जाने का निर्णय ले सकते हैं। शादीशुदा जोड़े शाम को साथ मूवी देखने या वॉक पर जाने की योजना बना सकते हैं।

तुला लव राशिफल (Libra Love Horoscope):

प्रेम जीवन के नजरिए से आज का दिन सामान्य पर सुखद रहेगा। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद आप अपने पार्टनर के लिए समय निकालेंगे, जिससे वे खुश होंगे। शादीशुदा जातक घर की जिम्मेदारियों को मिलकर पूरा करेंगे।

वृश्चिक लव राशिफल (Scorpio Love Horoscope):

आज अपने पार्टनर के साथ मिलकर भविष्य से जुड़ा कोई अहम फैसला ले सकते हैं। पार्टनर की समझदारी आपको गहराई से प्रभावित करेगी। शादीशुदा जोड़ों के बीच आपसी समझ और मजबूत होगी।

धनु लव राशिफल (Sagittarius Love Horoscope):

धनु राशि वालों का प्रेम जीवन आज खुशनुमा बना रहेगा। काम का दबाव होने के बावजूद पार्टनर आपका हौसला बढ़ाएंगे। प्रेमी जोड़ों के लिए आज का दिन एक-दूसरे पर विश्वास को और गहरा करने वाला रहेगा।

मकर लव राशिफल (Capricorn Love Horoscope):

शादीशुदा जोड़ों के लिए आज का दिन बेहतरीन रहेगा। आप किसी रोमांटिक ट्रिप या विदेश यात्रा की योजना बना सकते हैं। कुंभ राशि के सिंगल जातक अपने एक्स के साथ बीती बातें भुलाकर दोबारा दोस्ती शुरू कर सकते हैं।

कुंभ लव राशिफल (Aquarius Love Horoscope):

आज पार्टनर के साथ बिताए पुराने रोमांटिक पल याद करके भावुक हो सकते हैं। अन्य जातक पार्टनर के साथ किसी रोमांटिक डेट पर जा सकते हैं। सिंगल जातक अपने क्रश के साथ दोस्ती को और मजबूत कर सकते हैं।

मीन लव राशिफल (Pisces Love Horoscope):

मीन राशि वालों के प्रेम जीवन में रोमांस का नया रंग घुलेगा। पार्टनर के साथ आत्मीय पलों का आनंद लेंगे। सिंगल जातक हिम्मत जुटाकर अपने क्रश से दिल की बात कहने की कोशिश कर सकते हैं।

IND W vs BAN W: दीप्ति शर्मा के सामने झूलन गोस्वामी का रिकॉर्ड बांग्लादेश के खिलाफ रच सकती हैं इतिहास जानिए

भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक विकेट दूर हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ विकेट हासिल करते ही वह झूलन गोस्वामी (355 विकेट) को पीछे छोड़कर इस सूची में अकेले शीर्ष पर पहुंच जाएंगी। बांग्लादेश के खिलाफ विकेट हासिल करते ही वह झूलन गोस्वामी (355 विकेट) को पीछे छोड़कर इस सूची में अकेले शीर्ष पर पहुंच जाएंगी। और अब उनसे सिर्फ एक विकेट दूर हैं। दीप्ति के नाम फिलहाल अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में 355 विकेट हैं। वह पूर्व भारतीय दिग्गज तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान पर हैं। बांग्लादेश के खिलाफ एक विकेट हासिल करते ही दीप्ति महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बन जाएंगी। दीप्ति शर्मा ने मौजूदा वर्ल्ड कप में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच में पांच विकेट लेकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

इसके बाद नीदरलैंड्स के खिलाफ लीड्स में खेले गए मुकाबले में उन्होंने तीन ओवर में 26 रन देकर एक विकेट लिया और झूलन गोस्वामी के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में वह कोई विकेट नहीं ले सकीं और भारत को छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि बांग्लादेश के खिलाफ दीप्ति अपनी लय में लौटेंगी और भारत की सेमीफाइनल की राह मजबूत करेंगी। दीप्ति शर्मा भारत की ओर से महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं।

सौरव गांगुली का चौंकाने वाला दावा: KKR को कोच करने के लिए चैपल ने भेजा था ईमेल सुनाया 2011 का दिलचस्प किस्सा

पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने खुलासा किया है कि 2011 में ग्रेग चैपल ने उन्हें ईमेल कर केकेआर का कोच बनने की इच्छा जताई थी, जबकि गांगुली टीम के कप्तान थे। हालांकि, गांगुली ने कहा कि वह आज भी चैपल के संदेशों का जवाब नहीं देते क्योंकि उन्हें वह ईमानदार नहीं मानते।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने अपने और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर तथा भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच ग्रेग चैपल के रिश्तों को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा किया है।

गांगुली ने बताया कि वर्ष 2011 में ग्रेग चैपल ने उन्हें ईमेल भेजकर आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का कोच बनने की इच्छा जताई थी, जबकि उस समय गांगुली टीम के कप्तान थे। 'अड्डाजीबी' पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान गांगुली ने कहा कि वह इंग्लैंड स्थित अपने घर में ईमेल चेक कर रहे थे, तभी उन्हें ग्रेग चैपल का मेल दिखाई दिया। गांगुली ने कहा, 'उन्होंने (ग्रेग चैपल) 2011 में मुझे ईमेल किया था, जब मैं केकेआर का कप्तान था। सुबह मेल चेक करते समय उनका संदेश देखकर मुझे लगा कि शायद मैं अभी भी सो रहा हूं। फिर मैंने दोबारा नाम और ईमेल आईडी जांची, क्योंकि कई फर्जी मेल भी आते हैं।' पूर्व भारतीय कप्तान ने आगे खुलासा करते हुए कहा कि चैपल KKR के मुख्य कोच बनना चाहते थे और चाहते थे कि गांगुली ही टीम के कप्तान बने रहें। गांगुली ने कहा, 'वह केकेआर को कोच करना चाहते थे और मैं कप्तान रहता।'

Vaibhav Sooryavanshi: वैभव के छोटे भाई आशीर्वाद ने फिर जड़ा शतक पारी देखकर खुद सूर्यवंशी ने की तारीफ

भारतीय क्रिकेट जगत में अपनी बल्लेबाजी से तहलका मचाने वाले युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी के बाद, अब उनके छोटे भाई आशीर्वाद सूर्यवंशी भी मैदान पर रनों की बरसात कर सुर्खियों में आ गए हैं। आशीर्वाद की इस सफलता पर बड़े भाई वैभव सूर्यवंशी ने भी सोशल मीडिया पर मैच का स्कोरकार्ड शेयर कर अपनी खुशी जताई और भाई की तारीफ की।

भारतीय क्रिकेट अभी युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की शानदार कामयाबी को पूरी तरह महसूस कर ही रहा था कि उनके परिवार का एक और सदस्य बल्ले से सुर्खियां बटोरने लगा है। वैभव के छोटे भाई आशीर्वाद सूर्यवंशी के एक और धमाकेदार पारी खेलकर इस परिवार के अगले उभरते सितारे

को लेकर चर्चाएं तेज कर दी हैं। इस युवा खिलाड़ी ने एक स्थानीय मैच में महज 119 गेंदों पर 168 रनों की तूफानी पारी खेलकर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। उनकी इस पारी का स्कोरकार्ड सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले भारतीय टीम के साथ दौरे पर गए वैभव सूर्यवंशी ने भी अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस स्कोरकार्ड का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए अपने छोटे भाई की इस उपलब्धि की जमकर तारीफ की है। आशीर्वाद की यह पारी आक्रामक शॉट्स से भरपूर थी। क्रीज पर रहने के दौरान उन्होंने मैदान के चारों तरफ शॉट लगाए और अपनी पारी में 19 चौके और छह शानदार छक्के जड़े। इस बेहतरीन पारी ने बिहार के क्रिकेट सर्किट से उभरते हुए सबसे रोमांचक युवा बल्लेबाजों में उनके नाम को और मजबूत कर दिया है। 10 वर्षीय आशीर्वाद के बल्ले से निकला यह शतक उनके पिछले कारनामे के कुछ सप्ताह बाद ही आया है। इससे पहले उन्होंने समस्तीपुर में एक स्थानीय अभ्यास मैच के दौरान अपना पहला शतक बनाकर सुर्खियां बटोरी थीं।

ICC Rankings: नंबर-1 टी20 गेंदबाज बनीं श्री चरणी जानें दूसरे नाम पर कौन? रैंकिंग में भारतीय स्टार का जलवा

ICC Women's T20 Bowling Ranking: आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग में बड़ा उलटफेर हुआ है। भारत की युवा स्पिनर श्री चरणी ने इंग्लैंड की लिन्से स्मिथ को पछाड़कर दुनिया की नंबर एक टी20 गेंदबाज बनने का गौरव हासिल कर लिया है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने इतिहास रच दिया है। जारी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में अपने शानदार और मैच जिताऊ प्रदर्शन के दम पर वह पहली बार आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग के शीर्ष (नंबर-1) पायदान पर पहुंच गई हैं। आईसीसी की ताजा रैंकिंग अपडेट में उन्हें टूर्नामेंट में लगातार मैच जिताने वाले प्रदर्शनों का बड़ा इनाम मिला है।

21 साल की इस युवा खिलाड़ी ने इस वैश्विक प्रतियोगिता में अब तक सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बनकर दुनिया में पहला स्थान हासिल किया है। इस धमाकेदार प्रदर्शन की बदौलत उन्होंने इंग्लैंड की स्पिनर लिन्से स्मिथ को नंबर-1 के सिंहासन से नीचे धकेल दिया है। श्री चरणी के करियर में यह एक और ऐतिहासिक मील का पत्थर है, जिसने महज एक साल पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने के बाद से बहुत तेजी से रफ्तार पकड़ी है। । इंग्लैंड की सरजमीं पर चल रहे विश्व कप में उनके बेहतरीन प्रदर्शन ने उन्हें भारत का सबसे प्रमुख गेंदबाजी हथियार बना दिया है। इस युवा सनसनी ने विश्व कप के केवल तीन मैचों में ही 10 विकेट चटकाए हैं।

आईपीएल 2027 का सबसे बड़ा ट्रेड: 12 करोड़ रुपये की कटौती कर दिल्ली लौटे ऋषभ पंत कुलदीप यादव बने लखनऊ का हिस्सा

आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच हाई-प्रोफाइल ट्रेड हुआ है। ऋषभ पंत 15 करोड़ रुपये में दिल्ली कैपिटल्स में लौटेंगे, जबकि कुलदीप यादव 13.5 करोड़ रुपये में लखनऊ सुपर जाएंट्स का हिस्सा बनेंगे।Vआईपीएल 2027 शुरू होने में अभी काफी समय है, लेकिन उससे पहले ही एक बड़े ट्रेड ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच हुए हाई-प्रोफाइल खिलाड़ी आदान-प्रदान में ऋषभ पंत अपनी पुरानी टीम दिल्ली कैपिटल्स में लौटने जा रहे हैं, जबकि स्टार स्पिनर कुलदीप यादव लखनऊ सुपर जाएंट्स की जर्सी पहनेंगे। इस ट्रेड की सबसे बड़ी चर्चा ऋषभ पंत की सैलरी को लेकर है। आईपीएल के मुताबिक, पंत 15 करोड़ रुपये में दिल्ली से जुड़ेंगे। लखनऊ में उनकी सैलरी रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपए थी। उन्हें आईपीएल 2025 के ऑक्शन में लखनऊ ने रिकॉर्ड 25 करोड़ देकर खरीदा था। वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी भी थे। उन्हें लखनऊ ने कप्तान बनाया था,

वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी भी थे। उन्हें लखनऊ ने कप्तान बनाया था, लेकिन पिछले दो सीजन में खराब प्रदर्शन के बाद ही लखनऊ ने उन्हें निकाल दिया है। लखनऊ ने यही हाल पूर्व कप्तान केएल राहुल के साथ भी किया था। पंत ने दिल्ली वापसी के लिए 12 करोड़ रुपये की बड़ी रकम की कटौती की है। वहीं, लखनऊ ने बदले में कुलदीप को 13.5 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा है। पंत को दिल्ली की कप्तानी भी सौंपी जा सकती है। पिछले दो सीजन से अक्षर पटेल टीम की कमान संभाल रहे थे, लेकिन दिल्ली का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था।

ICC: पोस्ट-प्रेग्नेंसी गाइडलाइंस क्या हैं?

मां बनने के बाद भी खेल सकेंगी महिला खिलाड़ी खास फ्रेमवर्क तैयार

आईसीसी ने महिला क्रिकेटरों के लिए पहली बार 'पोस्ट-प्रेग्नेंसी रिटर्न टू प्ले' गाइडलाइंस जारी की हैं। इसे तैयार करने वाली ऑस्ट्रेलियाई डॉक्टर फिलिपा इंगे ने इसके पीछे की बारीकियों और चुनौतियों को साझा किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने महिला क्रिकेटरों के हक में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए पहली बार 'पोस्ट-प्रेग्नेंसी रिटर्न टू प्ले' (गर्भावस्था के बाद खेल में वापसी) गाइडलाइंस जारी की हैं। हालांकि यह दिशानिर्देश आईओसी और फीफा के मौजूदा परामर्शों से प्रेरित हैं, लेकिन मनोवैज्ञानिक और व्यावहारिक (लॉजिस्टिक) चुनौतियों से निपटने के मामले में यह पूरी तरह से क्रिकेट की जरूरतों के अनुकूल हैं। यह बात इस महत्वपूर्ण दस्तावेज को तैयार करने वाली आईसीसी की चिकित्सा सलाहकार समिति की सदस्य डॉ. फिलिपा इंगे ने कही है। डॉ. इंगे मेलबर्न की एक जानी-मानी स्पोर्ट्स एंड एक्सरसाइज मेडिसिन फिजिशियन हैं और वर्तमान में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की डॉक्टर के रूप में इंग्लैंड में टी20 विश्व कप के दौरान टीम के साथ मौजूद हैं। इस नई पॉलिसी के तहत छह 'R' के एक विशेष फ्रेमवर्क की रूपरेखा तैयार की गई है: रेडी, रिव्यू, रिस्टोर, रीकंडीशन, रिटर्न और रिफाइन। यह ढांचा फीफा के चरणबद्ध कार्यक्रम जैसा ही है, जो खिलाड़ियों के साथ-साथ उनके प्रबंधकों को भी शामिल करता है।

Tendulkar Hails ICC: मां बनने के बाद भी जारी रहेगा करियर? आईसीसी के नए नियम की सचिन तेंदुलकर ने की जमकर तारीफ

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने महिला क्रिकेटरों की गर्भावस्था के बाद खेल में वापसी को आसान बनाने के लिए नया सिक्स-आर फ्रेमवर्क लागू किया है। इस नीति का उद्देश्य खिलाड़ियों को मां बनने के बाद सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से क्रिकेट में लौटने में मदद करना है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने महिला क्रिकेटरों के लिए एक अहम पहल करते हुए गर्भावस्था के बाद खेल में वापसी को आसान बनाने के उद्देश्य से नया सिक्स-आर फ्रेमवर्क शुरू किया है। इस नीति के तहत खिलाड़ियों को मां बनने के बाद क्रिकेट में लौटने के लिए चरणबद्ध और व्यवस्थित सहायता प्रदान की जाएगी। आईसीसी का मानना है कि किसी महिला खिलाड़ी के लिए मां बनना उसके करियर का अंत नहीं होना चाहिए। इसी सोच के साथ तैयार किए गए इस फ्रेमवर्क को क्रिकेट जगत से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। आईसीसी की इस पहल से भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर भी काफी प्रभावित हुए। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस फैसले की तारीफ करते हुए लिखा, ' आईसीसी की यह पहल शानदार है। खेलों में सशक्तिकरण का मतलब यह सुनिश्चित करना है कि खिलाड़ी के सफर के हर चरण को सही व्यवस्था और समर्थन मिले।'सचिन ने आगे कहा, 'इन दोनों में से किसी एक को चुनने से लेकर दोनों काम एक साथ करने तक का यह बदलाव इस बात का प्रमाण है कि हम खेल को सही दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं। यह दुनिया भर की महिला क्रिकेटरों के भविष्य के लिए बहुत बड़ा कदम है।' आईसीसी की मेडिकल सलाहकार समिति की सदस्य डॉ. फिलिपा इंगे ने इस नीति के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा, 'यह नीति खिलाड़ियों को यह दिखाने के लिए बनाई गई है कि गर्भावस्था के बाद भी वे खेल में वापसी कर सकती हैं। बच्चा होना किसी खिलाड़ी के करियर का अंत नहीं है। हमारा उद्देश्य सदस्य देशों को यह सुविधा देना है कि वे अपनी खिलाड़ियों की वापसी में मदद कर सकें।' इंग्लैंड की अनुभवी बल्लेबाज हीदर नाइट ने इस पहल को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा, 'जो खिलाड़ी मां बनना चाहती हैं, उनके लिए इस तरह के दिशा-निर्देश बहुत जरूरी हैं साथ लेकर आगे बढ़ सकती हैं।'

आयरलैंड की पूर्व खिलाड़ी इसोबेल जॉयस ने अपनी वापसी के अनुभव साझा करते हुए कहा, 'खेल में लौटते समय तीन पहलुओं पर ध्यान देना जरूरी होता है, शारीरिक, मानसिक और व्यावहारिक। एक मां को छोटे बच्चे की देखभाल भी करनी होती है और हर खिलाड़ी का अनुभव अलग होता है। ऐसे में समर्थन मिलना बेहद महत्वपूर्ण है।' वेस्टइंडीज की क्रिकेटर एफी फ्लेचर, जो खुद मां बनने के बाद क्रिकेट खेल रही हैं, ने कहा, 'हर खिलाड़ी का सफर अलग होता है। परिवार बसाने के बाद दोबारा खेल में लौट पाना सबसे अच्छी बातों में से एक है।' आईसीसी का यह नया नियम महिला क्रिकेटरों को मातृत्व और पेशेवर करियर के बीच चुनाव करने की मजबूरी से बाहर निकालने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे भविष्य में अधिक महिला खिलाड़ियों को परिवार और खेल दोनों के बीच बेहतर संतुलन बनाने में मदद मिल सकती है।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776
@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300